Page-01_Layout 1 3/9/2025 12:17 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-49 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, रविवार, 9 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार... पृष्ठ-2

दिव्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

पाकिस्तान में न खेलना भारतीय बल्लेबाजों के लिए... पृष्ठ-7

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है : मोदी

रमाकान्त पाण्डेय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी जिले में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में कहा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस दिन, गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मां गंगा का आशीर्वाद मिला और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन-बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि गुजरात की इस धरती से मैं सभी देशवासियों को, देश की सभी माताओं-बहनों को महिला दिवस की शुभकामनाएं भी देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रही थीं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के जरिए हमने उनकी जिंदगी बर्बाद होने से बचाई है। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तो उन्हें कई अधिकार नहीं दिए जाते थे। अगर वे राज्य से बाहर शादी करती थीं तो उनके संपत्ति के अधिकार छीन लिए जाते थे। अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद अब उन्हें देश की हर महिला की तरह समान अधिकार मिले हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शौचालय (इज्जत घर) उपलब्ध कराकर हमने उन्हें सम्मान दिया है। हमने उनके बैंक खाते खोलकर उन्हें सशक्त बनाया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से हमने उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया है। पहले कामकाजी महिलाओं को केवल 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने इसे बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया है।

अकबर हो या औरंगजेब, सबकी मानसिकता एक : योगी

आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत

गौतमबुद्ध नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दादरी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान, स्वधर्म और स्वदेश के प्रति अद्वितीय समर्पण को याद करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्रनायक करार दिया। एनटीपीसी परिसर में महाराणा प्रताप स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने उनकी वीरता की गाथा को विस्तार से बयां किया। सीएम योगी ने यह भी कहा कि अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी। उन्होंने कहा कि हमारे आदर्श और राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और गुरू गोविंद सिंह जी महाराज हैं, ना कि अकबर या औरंगजेब। वहीं मुख्यमंत्री ने राणा सांगा की वीरता का भी जिक्र किया। सीएम योगी ने जनसभा स्थल से ही गौतमबुद्ध नगर के लिए 1,467 करोड़ की 97 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में महाराणा प्रताप के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वधर्म के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। तनिक स्वार्थ के लिए सत्ता के सामने झुकने की बजाय, उन्होंने स्वाभिमान को चुना। चित्तौड़ के राजवंश में जन्मे और कुम्भलगढ़ में पैदा हुए महाराणा प्रताप ने मात्र 28 साल की उम्र में अकबर जैसे विशाल साम्राज्य से पहला युद्ध लड़ा। सीएम योगी ने हल्दीघाटी की प्रसिद्ध लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि 20 हजार सैनिकों के साथ लाखों की सेना का मुकाबला करने वाला योद्धा ही हमारा सच्चा नायक हो सकता है। हल्दीघाटी ने उन्हें राष्ट्रनायक का दर्जा दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवनकाल में मेवाड़ के खोए हुए क्षेत्रों को वापस लेकर अकबर को घुटने टेकने पर मजबूर किया। उनके घोड़े चेतक की स्वामिभक्ति भी अद्भुत थी। आज भी हल्दीघाटी की मिट्टी को लोग तीर्थ के रूप में सम्मान देते हैं। यह भारत की महान परंपरा का प्रतीक है।

- **हमारे राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरू गोविंद सिंह हैं, अकबर और औरंगजेब नहीं**
- **महाकुम्भ के बाद ब्रज भूमि में हो रहा रंगोत्सव राष्ट्रीय एकता का सबसे बड़ा प्रतीक**
- **प्रधानमंत्री के विजन ने आस्था और आजीविका के नये स्रोत को खोला है**
- **श्रीराम, श्रीकृष्ण, महादेव, मां गंगा और मां यमुना की कृपा के साथ ही अब यूपी पर बरस रहा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद**

मुख्यमंत्री ने कहा कि अकबर कभी नायक नहीं हो सकता। चाहे अकबर हो या औरंगजेब, इनकी हिंदुओं के प्रति मानसिकता एक जैसी थी। इन्होंने भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचे। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। योगी ने छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह का भी उल्लेख किया और कहा कि ये राष्ट्रनायक हमारी प्रेरणा हैं। जो इनका सम्मान नहीं करते, वे विकृत मानसिकता के शिकार हैं और उन्हें उपचार की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान पीढ़ी को इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। महाराणा प्रताप का योगदान हमें सिखाता है कि स्वाभिमान और स्वधर्म से समझौता नहीं करना चाहिए। यही कारण है कि पूरा देश उन्हें याद करता है।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुए महाकुम्भ और ब्रजभूमि में चल रहे होली उत्सव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चले महाकुम्भ में 66 करोड़ 30 लाख लोग आए, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यह हमारी संस्कृति और सुरक्षा का प्रमाण है। ब्रजभूमि के रंगोत्सव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी आश्चर्यचकित हैं कि भारत में कोई भेदभाव नहीं, सब एक साथ रंगों में सराबोर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना करते हुए कहा कि आस्था और आजीविका के नए स्रोत खुल रहे हैं। हमारी संस्कृति हमारी समृद्धि का आधार बन रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम, श्रीकृष्ण, महादेव, मां गंगा और मां यमुना की कृपा के साथ ही अब यूपी पर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी बरस रहा है।

सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण संभव : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कहा कि स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए पुरुषों से महिलाओं को सहयोग करने की अपील की है। राष्ट्रपति नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित नारी नेतृत्व से विकसित भारत विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने, उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता बढ़ाने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं को समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प हम सबका संकल्प है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सबल, सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए। महिलाओं को पूरे आत्मविश्वास, लगन एवं मेहनत के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और देश एवं समाज के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अवधि में महिला समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी जीवन यात्रा को इस प्रगति का एक हिस्सा मानती हैं। ओडिशा के एक साधारण परिवार और पिछड़े इलाके में जन्म लेने से लेकर राष्ट्रपति भवन तक का उनका सफर भारतीय समाज में महिलाओं के लिए समान अवसरों और सामाजिक न्याय की कहानी है।

मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी : चुघ

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने दिल्ली में महिला समृद्धि योजना शुरू होने पर महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने इस योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का एक और प्रमाण बताया, जिसमें महिला सशक्तीकरण सिर्फ नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है। चुघ ने महिला समृद्धि योजना के शुभारंभ के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी पूरी कैबिनेट को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने फिर से यह सिद्ध कर दिया कि वह जनता से किए गए हर संकल्प को पूरा करती है। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा कि जहां मोदी सरकार दिल्ली की महिलाओं को आर्थिक सहायता दे रही है, वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने सिर्फ माताओं और बहनों को ठगने का काम किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए चुघ ने याद दिलाया कि 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले आआपा ने पंजाब की हर महिला को 1000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। आज 36 महीने बीत चुके हैं, लेकिन महिलाओं को एक भी रुपया नहीं मिला। मान और केजरीवाल लगातार झूठ बोलकर माताओं-बहनों को गुमराह कर रहे हैं। चुघ ने भगवंत मान सरकार पर प्रचार एवं धोखे से सरकार चलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह सरकार सिर्फ विज्ञापनों पर सैकड़ों करोड़ खर्च कर सकती है, लेकिन पंजाब की महिलाओं को सम्मान और आर्थिक सहायता देने के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने इसे आआपा सरकार की शर्मनाक विफलता बताया। दिल्ली और पंजाब की सरकारों की तुलना करते हुए चुघ ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने महिला समृद्धि योजना महिलाओं को लागू कर दिया हैं, वहीं पंजाब की महिलाओं को आआपा सरकार से सिर्फ धोखा, झूठे वादे और बिगड़ती कानून व्यवस्था ही मिली है।

दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू, गरीब महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली की भाजपा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को महिला समृद्धि योजना को लागू करने की घोषणा की। इसके तहत दिल्ली की गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। लाभार्थियों के सत्यापन के लिए ई-केवाईसी का उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना को लागू करने की मंजूरी दी गयी। कैबिनेट ने प्रारंभिक रूप से इस योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस योजना के कार्यान्वन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद और कपिल मिश्रा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली की माताओं-बहनों से किया गया वादा पूरा करते हुए हमारी सरकार ने महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये करोड़ आवंटित किए हैं। जल्द ही हर पात्र महिला को 2500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मोदी की गारंटी को साकार करने की प्रतिबद्धता है।

योजना की पारदर्शिता, दक्षता और धन के निर्बाध वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करेगी। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा। लाभार्थियों के सत्यापन के लिए आधार-आधारित ई-केवाईसी का उपयोग किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वित्तीय सहायता केवल उन लोगों तक पहुंचे जो पात्र हैं। इसके अतिरिक्त लीकेज और दुरुपयोग को रोकने के लिए मजबूत डिजिटल भुगतान तंत्र लागू किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया सुरक्षित, परेशानी मुक्त और सभी लाभार्थियों के लिए आसानी से सुलभ हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दिल्ली की गरीब महिलाओं को प्रति माह वित्तीय सहायता देकर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह योजना चुनावों के दौरान हमारे संकल्प पत्र 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को दिल्ली की महिलाओ के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करता है। महिलाओं के सशक्तीकरण और वित्तीय स्वतंत्रता के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय में सरकार ने महिला समृद्धि योजना को मंजूरी दी है। 5100 करोड़ की यह वार्षिक योजना दिल्ली की महिलाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि यह महिलाओं विशेष रूप से गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए आर्थिक स्थिरता और सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना को मंजूरी मिलने के साथ ही दिल्ली सरकार ने संकल्प पत्र में उल्लेखित अपनी प्रतिबद्धता को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे महिला कल्याण और आर्थिक सशक्तीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता, और मजबूत हुई है।

मप्र में धर्मांतरण कराने वालों को फांसी की सजा का प्रावधान करेगी राज्य सरकार : मोहन यादव

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि बेटियों के साथ दुराचार करने वालों को फांसी की सजा का प्रावधान पहले से ही लागू है। अब बेटियों का धर्मांतरण कराने वाले दोषियों के लिए भी मध्य प्रदेश सरकार सख्त कदम उठाएगी। मध्य प्रदेश में जोर जबरदस्ती या बहला फुसलाकर विवाह और धर्म परिवर्तन कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम लागू है। धर्मान्तरण, दुराचरण जैसी किसी भी घटना को हमारी सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह बात शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों को फांसी की सजा का प्रावधान करने जा रहे हैं। बच्चियों, बालिकाओं, बेटियों के साथ दुराचार करने वालों के विरूद्ध सरकार कठोरतम कदम उठाएगी। दोषियों को फांसी की सजा भी दिलवाएंगे। किसी भी दोषी को किसी भी परिस्थिति में नहीं बखशा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 में लागू हुआ था। अभी इस कानून के तहत अधिकतम दस साल की सजा का प्रावधान है। मप्र में लागू धार्मिक स्वतंत्रता कानून में सरकार फांसी का प्रावधान करने की जो बात मुख्यमंत्री ने कही है, अगर ऐसा होता है तो मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य होगा जो धर्मांतरण पर फांसी की सजा का प्रावधान करेगा। मुख्यमंत्री के इस बयान पर कानून के जानकारों की राय अलगझअलग है। कुछ का मानना है कि सरकार के लिए ये फैसला लेना आसान नहीं होगा। जबकि किसी का कहना है कि सरकार कानून में संशोधन कर फांसी की सजा का प्रावधान कर सकती है।

वर्तमान में भारत में कोई भी राज्य धर्मांतरण के मामलों में फांसी की सजा का प्रावधान नहीं रखता है। भारत के 11 राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून मौजूद है। ये राज्य हैं- ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश। राजस्थान सरकार ने हाल ही में हुए विधानसभा के बजट सत्र में पुराने कानून में संशोधन करते हुए धर्मांतरण विधेयक को पेश किया है। यदि ये कानून की शक्ल लेता है तो राजस्थान धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बनाने वाला 12वां राज्य बन जाएगा।

Page-02_Layout 1 3/8/2025 11:09 PM Page 1

एबीवीपी की तीन दिवसीय पूर्वोत्तर-जनजातीय छात्र संसद रविवार से दिल्ली में होगी शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तीन दिवसीय छात्र संसद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) कन्वेंशन सेंटर में होगी। नौ से 11 मार्च तक चलनी वाली छात्र संसद में देशभर के छात्र प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, नीति-निमार्ताओं और समाजसेवी शामिल होंगे। इसमें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके और सबार्नंद सोनोवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने शनिवार को कहा कि यह तीन दिवसीय छात्र संसद केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि युवाओं की आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन छात्रों को सामाजिक समस्याओं को समझने, समाधान सुझाने और राष्ट्रनिर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर देगा। उन्होंने ताया कि नौ मार्च को छात्र संसद में देशभर के वनवासी क्षेत्रों के छात्र भाग लेंगे। इस संसद में जनजातीय समुदायों की शिक्षा, उनके सांस्कृतिक संरक्षण, सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता और रोजगार के अवसरों पर गहन मंथन किया जाएगा। इसमें देशभर की 124 से अधिक भिन्न जनजातियों का प्रतिनिधित्व रहेगा। जिसमें 300 से अधिक जनजातीय समाज के छात्र भाग लेंगे। इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और जनजातीय क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के निराकरण एवम केंद्र की प्रभावशाली नीतियों के विषय में अपने विचार साझा करेंगे। वहीं 10 मार्च को छात्रा संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, भारतीय चिंतन में महिला की भूमिका तथा विकसित भारत 2047 में महिलाओं की सहभागिता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इस संसद में देश के सभी राज्यों से 250 से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रहेगी, जिसमें छात्र संघ पदाधिकारी, एनएसएस, एनसीसी और अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं की भागीदारी होगी। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर मुख्य अतिथि होंगी। वह महिलाओं की सामाजिक और राष्ट्रीय भूमिका पर अपने विचार रखेंगी। पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद 11 मार्च को आयोजित होगी। पूर्वोत्तर भारत और शेष भारत के बीच राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एबीवीपी अंतर राज्यीय छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति और भारत मेरा घर है के विचार के साथ लंबे समय से कार्यरत है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के सभी आठों राज्यों के छात्र संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह संसद पूर्वोत्तर भारत के शांति, सौहार्द और विकास को स्थापित करने, स्थानीय संस्कृति, परंपरा, शिक्षा और भाषा के संरक्षण में छात्र संगठनों की भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इस सत्र में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे और जनजातीय विकास, उनके अधिकारों और आर्थिक अवसरों को लेकर छात्रों से संवाद करेंगे।

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की।

साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के मैच में लगवा रहे थे सट्टा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चैंपियंस ट्रॉफी में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच चल रहे सेमी फाइनल मैच पर सट्टा लगा रहे तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान किंगपिन मनीष सहानी (42), योगेश कुकरेजा (31) और सूरज (24) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से विभिन्न खातों में जमा किए गए 22.62 लाख रुपये, कॉल रिकॉर्डिंग के लिए साउंड बॉक्स, एक लैपटॉप, 9 मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी के अलावा भारी मात्रा में नोट पैड बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में योगेश कॉमर्स ग्रेजुएट है जबकि अन्य दोनों आरोपित 12वीं और 10वीं पास हैं।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि एएसआई गजेंद्र को सूचना मिली थी कि पाकिस्तान के गद्दाफी स्टेडियम में चल रहे मैच पर दिल्ली में सट्टा लगाया जा रहा है। सट्टे की और जानकारी जुटाने पर पता चला कि आरोपित मनीष सहानी उर्फ सन्नी कर्मपुरा के मकान में सट्टा लगवा रहा है।

जानकारी जुटाने के बाद एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने डीएलएफ टॉवर्स, कर्मपुरा के मकान में छापेमारी की। वहां पुलिस को मनीष सहानी, योगेश कुकरेजा के अलावा सूरज मिला। यहां खुलेआम सट्टा बुक किया जा रहा था। पुलिस ने औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की छानबीन जारी है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित बिजनेस कॉनक्लेव में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हम आज एक ऐसे भारत की बात करने के लिए एकत्र हुए हैं जो अवसरों की धरती होने के साथ-साथ सेंटर ऑफ इन्वेंशन है और विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है।

गुप्ता ने कहा कि बिजनेस कॉन्क्लेव श्रीराम कॉलेज का प्रतिष्ठित वार्षिक प्रबंधन उत्सव है। यह एशिया के सबसे बड़े स्नातक प्रबंधन उत्सवों में से एक माना जाता है'

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र में अरबों डॉलर के अवसर मौजूद हैं। हमारे पास 1.4 अरब लोगों की विशाल जनसंख्या है। हर व्यापार के लिए ग्राहक पहले से मौजूद हैं। यही कारण है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। भारत आज एआई अपनाने में अग्रणी है, जहां 80 प्रतिशत कंपनियां इसे अपनी प्राथमिक रणनीति के रूप में देख रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हर दिन 50 स्टार्टअप्स भारत में पंजीकृत हुए हैं। हर महीने एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप जन्म ले रहा है। विकास में महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत की प्रगति केवल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बल्कि महिला सशक्तीकरण में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत अब महिला विकास से महिला-नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा है।

विजेंद्र गुप्ता ने भारत की एआई क्रांति की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पहली बार एआई इकोसिस्टम को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने जीपीयू मार्केटप्लेस खोलकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह दुनिया का पहला ऐसा सरकारी प्रयास है, जिससे छोटे स्टार्टअप, शोधकर्ता और विद्यार्थी उच्च स्तरीय एआई संसाधनों तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं। जबकि अन्य देशों में एआई का बाजार केवल बड़ी टेक कंपनियों तक सीमित है, भारत में इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि पूंजी बाजार की बढ़ती संभावनाएं और घरेलू सूचीबद्धता के लाभ स्टार्टअप्स को भारत वापस आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत को एक वैश्विक स्टार्टअप हब बनाने में मदद करेगी और यह साबित करती है कि देश का व्यापारिक माहौल अब पहले से कहीं अधिक अनुकूल हो चुका है।

उन्होंने कहा कि आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। यह तकनीक और नवाचार में अग्रणी है। यह महिलाओं के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। यह भारत के विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ने का समय है। भारत पर विश्वास करें क्योंकि भारत का भविष्य उज्जवल है।

आज का राशिफल

मेष राशि-कुटुम्ब की समस्या में समय बीतेगा, धन का व्यय होगा, लाभ मिलेगा।

वृष राशि-मानसिक बेचैनी, क्लेश व अशांति के योग बनेंगे तथा कार्य व्यवसाय से लाभ होगा।

मिथुन राशि-व्यर्थ भ्रमण से धन हानि होगी, आरोप व क्लेश से बचें, मानसिक स्थिति पर नियंत्रण अवश्य रखें।

कर्क राशि-परिश्रम से कुछ सफलता मिले, अर्थ-व्यवस्था की अनुकूलता होगी ध्यान दें।

सिंह राशि-मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि-सामाजिक कार्य में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन का लाभ अवश्य ही मिलेगा।

तुला राशि-अधिकारी वर्ग से विशेष समर्थन फलप्रद होगा तथा व्यय भार बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-धन लाभ, कार्य कुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि-व्यवसाय गति उत्तम, मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बनेंगे।

मकर राशि-मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार, सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि-कार्य व्यवसाय में धन का व्यय अधिक होगा, व्यय संभलकर करें।

मीन राशि-समृद्धि के साधन जुटायें, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य पर ध्यान रखें।

-अम्बुजा तिवारी

महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार : ओम बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार है। आज महिलाएं न केवल विकास में भागीदार हैं, बल्कि वे आगे बढ़कर शासन, विज्ञान, रक्षा, शिक्षा और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। बिरला ने संसद परिसर में हम भारत की महिलाएं प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक नए युग का साक्षी बन रहा है, जहां महिलाएं जमीनी स्तर के लोकतंत्र से लेकर सत्ता के सर्वोच्च पदों तक प्रत्येक स्तर पर नेतृत्व कर रही हैं। आज जब राष्ट्र भारत का संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, ऐसे में संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को मान्यता देना आवश्यक है, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और निष्ठा से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के निर्माण में सहायता की। महिलाओं को पूजनीय माने जाने की भारत की प्राचीन परंपरा का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि मातृत्व, शक्ति, त्याग और वात्सल्य हमारे सामाजिक मूल्यों का अभिन्न भाग हैं।

बिरला ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाएं अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और जटिल कार्य दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ कर रही हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए बताया कि महिलाएं अब फाइटर जेट उड़ा रही हैं, युद्धक्षेत्र से जुड़ी भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दे रही हैं और नौसेना अभियानों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष मिशन, रक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, खेल आदि में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला, जहां महिला वैज्ञानिकों ने भारत की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासन में महिलाओं का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक मजबूत है और ग्रामीण स्थानीय निकायों में अधिकांश निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएं हैं। यह देश में महिलाओं के नेतृत्व में विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन आएगा जब महिलाएं बिना किसी आरक्षण के भी, केवल योग्यता और क्षमता के आधार पर निर्वाचित निकायों में बहुमत हासिल करेंगी।

ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में बात करते हुए बिरला ने इसे भारत के लोकतांत्रिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी कदम बताया। नए संसद भवन में पारित पहले कानून के रूप में, यह अधिनियम महिला-पुरुष समानता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह सुनिश्चित करता है कि उच्चतम स्तरों पर नीतियां तैयार करने और निर्णय लेने में महिलाओं की अधिक भूमिका हो। उन्होंने इसे समावेशी लोकतंत्र की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, क्योंकि इससे महिला नेता सशक्त होंगी और विधायी निकायों में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा।

महिलाओं के आर्थिक योगदान का उल्लेख करते हुए बिरला ने उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म उद्यमों में उनकी भूमिका की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव आ रहे हैं और अनगिनत परिवारों को वित्तीय स्वतंत्रता मिल रही है। उन्होंने नीति निमार्ताओं और हितधारकों से महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के साथ सहयोग करने और उनका प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, ताकि उनकी वैश्विक बाजारों तक पहुंच हो और उन्हें विस्तार के अवसर मिलें। उन्होंने 100 प्रतिशत महिला साक्षरता के लक्ष्य को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा महिला सशक्तीकरण का आधार है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित बिजनेस कॉनक्लेव में भाग लेते हुए।

सूडोकु नवताल- 7364

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7363 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

दैनिक पंचांग

9 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

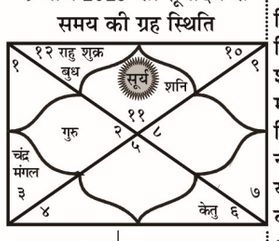

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.35 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.05 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.45 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.43 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.57 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.13 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.25 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.36 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.50 ब.से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	धनु	01.06 बजे से
		मकर	03.12 बजे से
		कुंभ	04.58 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 68 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 07.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 23.55 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.58 बजे को समाप्त।
करण गर 07.46 बजे तदनन्तर वणिज 19.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872278
जूलियन दिन 2460743.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 08

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8426

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरूर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8425 का हल

श	ब	■	ता	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/9/2025 12:38 AM Page 1

किसान अन्नदाता के साथ अब बनेंगे ऊर्जादाता भी : शाह

गिर सोमनाथ, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को दो दिवसीय प्रवास पर गुजरात पहुंचे। सबसे पहले शनिवार की सुबह उन्होंने गिर सोमनाथ जिले में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव का धर्मपत्नी के साथ दर्शन-पूजन किया। इसके बाद कोडिनार में सुगर मिल के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण कार्य के भूमिपूजन समारोह में शामिल हुए। जूनागढ़ के चांपरडा में उन्होंने ब्रह्मानंद विद्याधाम में विभिन्न प्रकल्पों के लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्यक्रम के बाद अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। रविवार को वे अहमदाबाद में धार्मिक, सामाजिक और विकास कामों में शामिल होंगे।

कोडिनार में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि इंडियन पोटाश कंपनी इस सुगर मिल का पुनरुद्धार करेगी। इससे इस क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा। करीब 10 हजार किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उनके जीवन में समृद्धि का द्वार खुलेगा। शाह ने कहा कि अन्नदाता कहलाने वाले किसान अब ऊर्जा दाता भी बनेंगे। शाह ने कहा कि सुगर फैक्टरी से इथेनॉल और इससे बिजली बनाकर ऊर्जा और गैस का उत्पादन भी होगा। इथेनॉल के उत्पादन से देश में पेट्रोलियम आयात में भी कमी आएगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इंडियन पोटाश लिमिटेड इस क्षेत्र में किसानों को गन्ने की बुवाई के लिए उन्नत बीज प्रदान करेगा। इससे गन्ने का उत्पादन बढेगा। ड्रोन तकनीक से खाद का छिड़काव किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2012-13 में 60 करोड़ लोग कृषि पर निर्भर थे, जबकि तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसके लिए 22 हजार करोड़ का बजट रखा था। केन्द्री में नरेन्द्र मोदी की सरकार ने वर्ष 2023-24 में इस बजट को बढ़ाकर 1.37 हजार करोड़ रुपये कर दिया है। इसी प्रकार वर्ष 2012-13 में किसानों को 8.5 लाख करोड़ रुपये का ऋण मिलता था, जो आज 25.50 लाख करोड़ रुपये है। डीएपी की एक बोरी की कीमत पिछले दस वर्षों से वही बनी हुई है क्योंकि कीमत वृद्धि का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। इसके अलावा किसान क्रेडिट सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है. इन सभी उपायों से प्रधानमंत्री ने किसानों के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन लाने का काम किया है। तलाला, कोडिनार और वलसाड चीनी मिलों से दस हजार से अधिक किसान जुड़े हुए हैं। सरकार के सहयोग से इन चीनी मिलों को पुनर्जीवित किया गया है।

पटना। भाजपा संसद रविशंकर प्रसाद के होली समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

मणिपुर में फ्री मूवमेंट का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प।

बीएल एग्रो की कामधेनु परियोजना का केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने किया उद्घाटन

बरेली, (हि.स.)। बीएल एग्रो ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर कामधेनु परियोजना का भव्य उद्घाटन कर एक नए युग की शुरूआत की घोषणा की। यह परियोजना फतेहगंज पश्चिमी (अगरास) में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान द्वारा औपचारिक रूप से शुरू की गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, बीएल एग्रो के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम खंडेलवाल और डायरेक्टर आशीष खंडेलवाल भी मौजूद रहे।

बीएल एग्रो के अधिकारियों के अनुसार, कामधेनु परियोजना के तहत लगभग 5,000 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। किसानों को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया भी दी। उन्होंने एनडीए गठबंधन की जीत पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पांच दलों का गठबंधन एक मजबूत जीत दर्ज करेगा। उन्होंने 225 से अधिक सीटें जीतने का अनुमान लगाया और साथ ही, आरजेडी के शासनकाल की आलोचना करते हुए कहा कि नब्बे के दशक में बिहार में जो भय का माहौल था, वह आज भी लोगों के मन में ताजा है।

इसके बाद बीएल एग्रो के परसाखेड़ा स्थित परिसर में एक अतिरिक्त कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने शिरकत की।

तीस साल पहले मंदिर को चर्च बनाया था, अब फिर बन रहा मंदिर

बांसवाड़ा, (हि.स.)। तीर्थराज प्रयागराज में 144 साल बाद लगे महाकुंभ ने सनातन की ऐसी बयार बहाई है कि पूरे देश में अलग ही माहौल नजर आ रहा है। इसका असर राजस्थान प्रदेश के जनजाति जिले बांसवाड़ा में भी देखने को मिल रहा है। दरअसल बांसवाड़ा जिले में एक गांव ऐसा है, जहां के लोगों ने सालों पहले धर्म परिवर्तित कर ईसाई धर्म को स्वीकार कर लिया था। अब पूरा गांव एक बार फिर से सनातन धर्म में वापस लौट रहा है। इतना ही नहीं, गांव में करीब 30 साल पहले भैरव जी का मंदिर था, जिसे चर्च में बदल दिया गया था। अब 30 साल बाद चर्च को फिर से मंदिर में बदला जा रहा है। सनातन धर्म में घर वापसी और मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम रविवार को धूमधाम से किया जाएगा।

बांसवाड़ा जिले के गांगड़तलाई पंचायत समिति के सोड़ला दूधा गांव का माहौल ही कुछ अलग है। कभी चर्च में पादरी का काम करने वाले गौतम गरासिया ने भी हिंदू धर्म में घर वापसी कर ली है। उन्होंने बताया कि देश और प्रदेश में बह रही सनातन संस्कृति और महाकुंभ से मिले संदेश के बाद इस गांव के लोगों ने जिन्होंने पूर्व में ईसाई धर्म अपना लिया था, अब फिर से हिंदू धर्म अपना रहे हैं। साथ ही गांव में बने हुए 30 साल पुराने चर्च का रूप बदलकर फिर से यहां भैरव जी का मंदिर बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि सालों पूर्व यहां ईसाई मिशनरी से प्रभावित होकर पूरे गांव के लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया था, लेकिन और अब उनके मन में फिर से सनातन संस्कृति की ओर रुख हुआ और अब फिर से वह हिंदू धर्म अपनाते हुए यहां भैरव जी का मंदिर स्थापित कर रहे हैं। भारत माता मंदिर से प्रेरणा लेकर इस जनजाति क्षेत्र में इस तरह का पहला आयोजन है। इससे प्रभावित होकर यह संभावना है कि आने वाले दिनों में और भी कई गांव में ईसाई धर्म अपना चुके लोग वापस सनातन की ओर अपने घर की वापसी करेंगे।

एनयूजे (आई) के राष्ट्रीय अधिवेशन में हुआ महिला पत्रकारों का सम्मान

हरिद्वार, (हि.स.)। एनयूजे, आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी ने कहा कि उनका संगठन लघु एवं मझोले अखबार मालिकों के साथ खड़ा है। सरकार की गलत नीतियों के चलते अधिकांश अखबार बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। एनयूजे,आई लघु एवं मझोले अखबार को बचाने के लिए हर संघर्ष के लिए तैयार है।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) सम्बद्ध इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स का राष्ट्रीय अधिवेशन प्रेम नगर आश्रम हरिद्वार में शुरू हुआ। दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन संगठन की मांग पत्रकार सुरक्षा कानून, वर्किंग जर्नलिस्ट एक्ट की बहाली, मीडिया काउंसिल का गठन, मीडिया कमीशन का गठन, नेशनल रजिस्ट्रार फॉर जर्नलिस्ट्स, लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों को आर्थिक सहायता, डिजिटल मीडिया के लिए नियम, सभी राज्यों में एक्रीडेशन कमेटियों का गठन, मीडिया संस्थानों में कर्मचारियों की छंटनी का विरोध, उचित वेतन, काम का समय तय हो, पत्रकारों को पेंशन, पूरे देश में पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य बीमा, सभी राज्यों में बस यात्रा की सुविधा, रेलवे यात्रा में 50 फीसदी रियायत की बहाली को लेकर गहन विचार मंथन किया गया। वहीं, राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगठन से जुडी महिला पत्रकारों को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिवेशन में 22 राज्यों के 200 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने शिरकत की। राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति का शुभारंभ एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी, महासचिव प्रदीप तिवारी सहित अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

हमारी सरकार में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारी शक्ति आसीन है : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा के आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मातृशक्ति से संवाद कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारी शक्ति आसीन है।

महिला शक्ति को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज हर क्षेत्र में नारी शक्ति के नेतृत्व की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। हमारी सरकार में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारी शक्ति आसीन है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि जब नारी शक्ति का विकास होता है, तो दुनिया का विकास होता है। इसलिए नारी शक्ति को भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी, हमेशा मूलरूप में मानकर आगे चली है।

हमारी सरकार की योजनाओं ने मातृशक्ति को सबल बनाने का काम किया है, चाहे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना हो, स्वच्छ भारत मिशन हो, बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ हो या ड्रोन दीदी हो, ऐसी कई हितैषी योजनाओं से मातृशक्ति सामर्थ्यवान हुई है।

उन्होंने महिला समृद्धि योजना को मंजूरी मिलने पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम दिल्ली में महिला समृद्धि योजना के तहत हर महिला को 2,500 रुपये देंगे। आज खुशी हो रही है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी कैबिनेट ने महिला समृद्धि योजना के लिए दिल्ली में इसे लागू करने के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री को बधाई। आज संसद में सबसे ज्यादा महिला सांसद भारतीय जनता पार्टी की है, हमारी सरकार द्वारा पारित किये गए नारी शक्ति वंदन अभिनंदन के परिणामस्वरूप 33 फीसदी नारीशक्ति जनता का प्रतिनिधित्व करेंगी।

नड्डा ने कहा कि उन्हें गर्व हो रहा है कि देश में किसी भी महिला के गर्भवती होने से लेकर प्रसव तथा बच्चे के जन्म से लेकर दो वर्ष तक हर तरह के टेस्ट मोदी सरकार निःशुल्क करवा रही है। वहीं, नवजात बच्चे के लिए 12 तरह के विभिन्न टीकों की निःशुल्क व्यवस्था हमारी सरकार ने की है।

हमारी सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को सबल बनाने का काम किया। जैसे उज्ज्वला योजना सिर्फ गैस का सिलेंडर नहीं, ये नारीशक्ति के सशक्तीकरण का स्वरूप है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी है जो महिला सशक्तीकरण के लिए कृत-संकल्पित है, तो दूसरी तरफ आप-दा पार्टी है जो महिला उत्पीड़न के लिए पहचानी जाती है।

कांग्रेस पार्टी भी इससे अलग नहीं है, मुस्लिम बहनों की स्वतंत्रता के लिए मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक कानून बनाया तो वहीं कांग्रेस की राजीव सरकार ने शाहबानों के साथ अन्याय करते हुए सुप्रीम कोर्ट का नियम ही बदल दिया था। जिस प्रदेश के मुख्यमंत्री निवास में महिला सुरक्षित न हो, तो दिल्ली कैसे सुरक्षित रह सकती है। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि दिल्ली में महिला मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरी दिल्ली सबसे सुरक्षित है।

भाजपा का राहुल पर तंज, कहा- कांग्रेस ही कर सकती है अपने नेताओं का अपमान

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात कांग्रेस के नेताओं पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर तंज कसा है। भाजपा ने कहा कि अपने नेताओं का सार्वजनिक रूप से अपमान कांग्रेस ही कर सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मीडिया को गाली देते-देते अब अपनी पार्टी के नेताओं को ही गाली देना शुरू कर दिया है। ये राहुल की बिगड़ती मनःस्थिति का नतीजा है।भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि जब से राहुल और सोनिया के नेतृत्व में कांग्रेस आई है तभी से गुजरात के अंदर कांग्रेस की बुरी स्थिति हो गई है। राहुल वामपंथियों और नक्सलियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाई, लेकिन आज तक कांग्रेस का कोई नेता देखने नहीं गया है। राहुल गांधी ने अहमदाबाद में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जो लोग पार्टी की विचारधारा के खिलाफ काम कर रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई करनी होगी। कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं एक वे जो पार्टी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध हैं और जनता के लिए काम कर रहे हैं और दूसरे वे जो भाजपा से मिले हुए हैं। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के बजट में अल्पसंख्यकों के लिए की गई घोषणाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता पर अब मुस्लिम लीग का प्रभाव आ गया है। कर्नाटक सरकार के बजट ने यह दिखा दिया है कि कांग्रेस सरकार मुस्लिमों को पहला हक देती है और दूसरे समुदायों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है।

आईफा अवॉर्ड्स के लिए जयपुर की धरा पर बॉलीवुड के नामी सितारों का जमावड़ा।

रेलवे करेगा एक लाख भर्ती, बीकानेर से चलेगी वंदे भारत : रवनीत सिंह बिट्टू

बीकानेर, (हि.स.)। केन्द्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को कहा कि अब तक हम रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सुधार पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। अब इस वर्ष 2025 में रेलवे में कर्मचारी भर्ती पर फोकस रहेगा। करीब एक लाख खाली पदों पर कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। रेलवे स्टेशनों पर एरपोर्ट से ज्यादा सुविधा मिलेगी। दो-तीन साल बाद हर देशवासी रेलवे में हुए बदलाव की बात करता नजर आएगा। बिट्टू भारतीय रेलवे मजदूर संघ की ओर से आयोजित 21 वे त्रैवार्षिक अधिवेशन को बीकानेर में संबोधित कर रहे थे। रेल राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर उसके आधुनिकीकरण तक आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। एक-एक रेलवे स्टेशन पर 5-6 करोड़ लेकर 21-21 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। ताकि हमारे देश में भी वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बन सकें। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे मजदूर संघ देशभक्तों का टोला है। दो दिवसीय सम्मेलन के बाद जो भी डॉक्यूमेंट यूनियन की तरफ से भेजा जाएगा। उस पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए कर्मचारियों की पदोन्नति से लेकर अन्य सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि बीकानेर से जल्द वंदे भारत ट्रेन चलेगी। साथ ही कोटगेट और सांखला फाटक की समस्या का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा। इससे किसी का नुकसान भी ना हो, इसका भी ध्यान रखा जाएगा। भारतीय रेलवे मजदूर संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी. सुंदरम ने कहा कि यह अधिवेशन संगठन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन में जो भी निष्कर्ष निकलेगा। उसे रेल मंत्रालय भिजवा दिया जाएगा। अधिवेशन को महामंत्री मंगेश एम.देशपांडे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संतोष पटेल ने किया, जबकि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित, पूर्व मेयर नारायण चौपड़ा, यूआईटी के पूर्व चेयरमैन महावीर रांका, टेकचंद बरड़िया, विनायक शर्मा, उद्यमी जुगल राठी, अजय कुमार त्रिपाठी, विनय कुमार झा, हनुमान दास, सुनील कुमार शादी सहित भारतीय रेलवे मजदूर संघ के देशभर से आए 570 सदस्यों समेत जिले के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रेल राज्यमंत्री ने बीकानेर डीआरएम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अच्छा कार्य कर रहे हैं। एनडब्ल्यूआर में बीकानेर डिवीजन सबसे बड़ा है। लिहाजा उनकी काबिलियत को देखते हुए ही इन्हें यहां लगाया गया है। इससे पूर्व रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आचार्य तुलसी के समाधि स्थल पर पहुंच कर मत्था टेका। इस अवसर पर आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणेश बोथरा, मुख्य न्यासी और यूआईटी के पूर्व चेयरमैन महावीर रांका, प्रतिष्ठान के पूर्व अध्यक्ष हंसराज डागा, महामंत्री दीपक आंचोलिया, हनुमान रांका समेत जैन समाज के अन्य गणमान्य लोगों ने रेल राज्यमंत्री का स्वागत किया और तेरापंथ के अन्य आचार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

Page-04_Layout 1 3/8/2025 11:55 PM Page 1

सम्पादकीय

ब्रिटेन में खालिस्तानी अतिवादियों से कडाई से निपटना आवश्यक

विगत दिनों लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के ऊपर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हमला करने का प्रयास जहाँ अति दुर्भाग्यजनक थी,उसी के साथ यह घटना यह भी साष्ट करती है कि ब्रिटेन में खालिस्तन समर्थक पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं। उनपर ब्रिटेन की वर्तमान सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, या यह कहा जा सकता है कि इस अतिवादी संगठन को ब्रिटेन की सरकार का अपरोक्ष समर्थन प्राप्त है।

वास्तव में मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार ब्रिटेनक वर्तमान प्रधानमंत्री स्टामर ने उस संगठन को धन देना बंद कर दिया है, जो खालिस्तान समर्थक तत्वों पर कड़ी नजर रखता था। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल में खालिस्तानी उग्रवादियों, पर कड़ी निगरानी के लिए प्रतिवर्ष भारी रकम खर्च की जाती थी, जिसे वर्तमान प्रधानमंत्री से बंद कर दिया है। लेबर पार्टी के बर्तमान प्रधानमंत्री भी अपने को उदारवादी साबित करने लिए खालिस्तानी उग्रवादियों की गतिविधियों से आंखमूदें हुए हैं।

इससे पहले भी खालिस्तान सर्मथक उग्रवादी ब्रिटेन में भारत विरोधी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। अतीत में उन्हेने में न केवल भारतीय झण्डे का अपमान किया था, अपितु गुरुद्वारा गये भारतीय उच्चायुक्त के ऊपर भी हमले का प्रयास किया था ।वे अपनी दुष्टता के खिलाफ आवाज उठाने वाले सिखों को भी धमकाते रहते हैं। इसका कारण यही है कि ब्रिटेन की वर्तमान सरकार उनके साथ कड़ाई से नहीं निपट रही है। इसबारे में भारत का यह कहना विल्कुल सही है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों को लगता है कि ब्रिटिश सरकार उनके खिलाफ कुछ नहीं करेगी।

इसी कारण ब्रिटेन के विदेश विभाग द्वारा दी जाने वाली सफाई और भविष्य में ऐसी हरकत न होने के आश्वासन पर भारत सरकार विश्वास नहीं कर रही है। इसीलिए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणवीर जयसवाल ने कहा कि इस तरह के मामले पहले भी हो चुका है और ब्रिटिश सरकार उसे रोकने में असमर्थ साबित हुई थी। इस बारे में भारत का यह कहना बिल्कुल ठीक है कि जब तक खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन में कदम उठाया जायेगा, तभी की उसे उनकी बातों पर विश्वास होगा। भारत ने यह बात भी स्पष्ट कर दिया है कि ब्रिटेन में खालिस्तानी उग्रवादियों की भारत विरोधी गतिविधि जारी रखने का खुला लाइसेंस मिला हुआ है।

लंदन की यह घटण भविष्य में भारत ब्रिटेन सम्बंधों में बड़ी दरार बनने का कारण बन सकता है। ऐसे में संभव है कि दोनों देशों के बीच सामान्य सम्बंधों के साथ ही भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को भी ग्रहण लग सकता है। ऐसे में उचित यही होगा कि ब्रिटेन की समान अपने देश में सक्रिय खालिस्तान समर्थक की पर कड़ी बजर रखने के साथ उन्हें कड़ाई से कुचलने में कोई कोर-कसर न छोड़े ।

रोपवे निर्माण से केदारनाथ यात्रा में बनेंगे यात्री संख्या के नये कीर्तिमान, बढ़ेगा रोजगार

सबकुछ ठीक रहा तो वर्ष 2032 से बाबा केदार के भक्त रोपवे से केदारनाथ धाम पहुंच सकेंगे। 12.9 किमी लंबे रोपवे बनने से केदारनाथ यात्रा में प्रतिवर्ष यात्रियों की संख्या के नये कीर्तिमान भी स्थापित होंगे। यही नहीं, रोपवे निर्माण से पैदल मार्ग पर दबाव भी कम होगा और घोड़ा-खच्चरों का संचालन सुलभ होगा, जिससे किसी पैदल यात्री को कोई दिक्कत नहीं होगी।

11750 फीट की ऊंचाई पर स्थित भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ यात्रा ने बीते एक दशक में नये आयाम स्थापित किए हैं। 16/17 जून 2013 की आपदा में व्यापक रूप से प्रभावित हुई थी, तब किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि वर्ष 2015 से केदारनाथ यात्रा पटरी पर लौटने के साथ रफ्तार भी पकड़ लेगी। आंकड़े बयां रहे हैं कि बाबा केदार की यात्रा ने बीते एक दशक में सुरक्षित और सुलभ यात्रा के साथ कारोबार के क्षेत्र में भी नई ऊंचाई हासिल करने का संदेश दिया है। अब, केदारनाथ रोपवे की मंजूरी के बाद यात्रियों के सामने यात्रा का एक और विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। अभी तक केदारनाथ जाने के लिए यात्री 16 किमी पैदल दूरी नापने के साथ ही हेलिकॉप्टर, घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी का उपयोग करते हैं। पूरे यात्राकाल में हेलिकॉप्टर की टिकट के लिए मारामारी रहती है। ऐसे में कई यात्री धाम नहीं पहुंच पाते, पर अब ऐसा नहीं होगा। रोपवे निर्माण के बाद कई बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम यात्री भी सोनप्रयाग से 36 मिनट में केदारनाथ धाम पहुंच सकेंगे।

रोपवे निर्माण से एक घंटे में 1800 यात्री केदारनाथ की यात्रा कर सकेंगे और एक दिन में 18000 यात्री धाम पहुंच जाएंगे। अभी तक पचांग गणना के हिसाब से केदारनाथ की यात्रा कम से कम 174 दिन और अधिकतम 206 दिन संचालित होती आई है। ऐसे में तय दिनों के हिसाब से रोपवे से 31 लाख 3200 से लेकर 37 लाख 8 हजार श्रद्धालु केदारनाथ यात्रा पहुंच सकेंगे। साथ ही हेलिकॉप्टर, घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और पैदल मार्ग से पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या अलग है। इन माध्यमों से अभी बीते तीन वर्षों में प्रतिवर्ष 15 लाख से लेकर 19 लाख तक श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच चुके हैं। एक अनुमान के तहत रोपवे बनने के बाद सभी माध्यमों से प्रतिवर्ष 45 से 50 लाख यात्री बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे।

रोपवे निर्माण के बाद से यात्रा प्रभावित नहीं होगी। 22 टॉवरों के माध्यम से 12.9 किमी रोपवे का संचालन होगा। खास बात यह है कि बारिश, कोहरे में भी यात्रा प्रभावित नहीं होगी। साथ ही भूस्खलन व भूधंसान से संचालन रुकने का खतरा भी नहीं है।

बीते पांच वर्षों में केदारनाथ पहुंचे यात्रियों की संख्या

वर्ष यात्रियों की संख्या
2020- 130551
2021- 242712
2022- 1563278
2023- 1961027
2024- 1652076

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती के मुताबिक रुद्रप्रयाग केदारनाथ रोपवे बनने से केदारनाथ यात्रा को नया आयाम मिलने के साथ ही पैदल और हवाई यात्रा पर दवाब कम होगा। यात्री सुलभ व सरल तरीके से यात्रा कर सकेंगे। रोपवे निर्माण के बाद केदारनाथ यात्रा में यात्रियों की संख्या के नये कीर्तिमान बनने से इनकार नहीं किया जा सकता।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

कुंभ में जड़ों की ओर लौटते भारत का दर्शन

प्रयागराज में 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के दिन से लेकर 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि तक 45 दिनों का महाकुंभ इस सदी की अब तक की सबसे महत्वपूर्ण अविस्मरणीय और अकल्पनीय घटना मानी जायेगी। महाकुंभ के पावन पर्व पर गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों में त्रिवेणी संगम पर करीब 66 करोड़ से ज्यादा श्रध्दालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और स्वयं को धन्य किया। 144 वर्षों के बाद यह महाकुंभ होने के कारण संगम में आस्था की डुबकी लगाने वाले स्वयं को निश्चित ही भाग्यशाली मानते हैं। त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ के अवसर पर आये श्रध्दालुओं का विराट जनसागर देखते ही बनता था और मन में सवाल उठता था कि यह क्या हो रहा है? सच में विराट जनसागर रूपी श्रध्दालुओं ने सामूहिक आस्था के इस पर्व ने जहां भारत को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता के युग परिवर्तन का संकेत दिया है और महाकुंभ के माध्यम से हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परम्पराओं को और भी सुदृढ़ और समृध्द किया है। दूसरी ओर आर्थिक रूप से भी अच्छी तरह से लाभान्वित किया है। इससे आर्थिक विकास दर को मजबूती मिलेगी और साथ ही लोगों का जीवन स्तर और बढ़िया होने का दावा देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने किया है। इस दृष्टि से भी महाकुंभ का अनन्य असाधारण महत्व है। न भूतो न भविष्यति, ऐसा इस महाकुंभ को कहा, समझा जा सकता है इतना इसका विराट स्वरूप था और आगे कभी शायद ही ऐसा देखने को मिलेगा। कुंभ धार्मिक आयोजन नहीं, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। इसमें समाज के सभी वर्गों, जाति, भाषा, मत को मानने वाले सनातनी लोग त्रिवेणी संगम पर आये थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और कुशल मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार ने आपसी समन्वय और सहयोग से इसे सफल बनाया है। इस दृष्टिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबको अपने साथ लेकर चलने की कार्यशैली कारगर साबित हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन एकदम सटीक है कि जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है और वह सैंकडों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोडकर नव चैतन्यता के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तब वैसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी 2025 के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा। प्रधानमंत्री कहते हैं कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में मैने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया।

अयोध्या में रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिये विश्व हिन्दू परिषद के नेतृत्व में विशाल जनआंदोलन और उस समय तत्कालीन सरकारों का राम मंदिर निर्माण को लेकर पूरी तरह असहयोग और नकारात्मक रवैये से जनभावना का उत्तेजित होना स्वाभाविक है। आंदोलन में अनेक रामभक्त कारसेवकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया लेकिन इसके बावजूद श्रीराम के प्रति आस्था और श्रध्दा रखनेवाले रामभक्तों ने अपना संयम नहीं खोया और शांत रहे और जब सर्वोच्च न्यायालय का फैसला रामलला के पक्ष में आने के बाद से जब प्रत्यक्ष राम मंदिर पुनर्निर्माण और उसमें प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उपस्थित जनसमूह देखा गया और तब जब 45 दिनों के महाकुंभ में करीब 66 करोड़ श्रध्दालुओं का विराट जनसागर देखने से निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी का ये कथन कि यह महाकुंभ युग परिवर्तन की आहट है, एकदम यही और तार्किक वर्णन है। विदेशी आक्रांताओं के हमले और गुलामी मानसिकता के कारण भारतीय जनमानस में भारी रोष और गुस्सा भी था, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से विशेषकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कमान संभालने के बाद से स्वाभाविक रूप से जनभावना बदलती दिखाई देने लगी और राष्ट्र प्रथम अर्थात नेशन फर्स्ट की भावना दिनों दिन बलवती होती रही और इसतरह के स्व का जागरण का परिणाम अर्थात महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आये श्रध्दालुओं का उमडा.जनसागर कहा जा सकता है। इससे समूचे देश का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माहौल भी आगे आनेवाले दिनों में बदलने के आसार साफ नजर आ रहे हैं।

इस महाकुंभ के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुडे कई आनुषांगिक संगठनों ने बडी.महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में मथुरा में संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान संघ के सरसंघचानक डॉ मोहनराव भागवत और अन्य प्रमुख वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महाकुंभ के विषय पर बातचीत की और इसके आयोजन में संघ के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की थी और तब संघ ने अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया था। यह सर्व विदित ही है कि संघ इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है लेकिन आमतौर पर चलने वाले संस्था एवं संगठनों से अलग हटकर संघ, सेवा कार्यों में विभिन्न आयाम कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग के पास पहुंचकर लोगों को अपने संघ के साथ जोडने के काम में सक्रिय है और कुछ इस तरह से उसके पर्यावरण गतिविधि आयाम के माध्यम से स्वच्छता अभियान महाकुंभ के दौरान चलाया गया है। इसमें विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम से संबध्द जनजाति सुरक्षा मंच, शिक्षा पुनरुत्थान समिति समेत कई अन्य संस्था एवं संगठन यहां सक्रिय रहे हैं।

आरएसएस की प्रेरणा से चलाये जा रहे पर्यावरण गतिविधि के प्रभारी वरिष्ठ प्रचारक गोपाल आर्या के अनुसार महाकुंभ परिसर में स्वच्छता बनी रहे और पॉलिथिन के प्रयोग पर अंकुश रखने के उद्देश्य से हर घर से एक थाली और एक थैला एकत्रित करने का विशेष अभियान चलाया गया। सामुदायिक भागिदारी से इस बडे अभियान को चलाया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से करीब 2241 संगठनों द्वारा 7258 संग्रहण केन्द्र स्थापित किये गये और इन केन्द्रों के माध्यम से 14 लाख 17 हजार 64 स्टील की थालियां और 13 लाख 46 हजार 128 कपडे के थैले तथा 2 लाख 63 हजार 678 स्टील के गिलास एकत्रित किये गये। उन्होने बताया कि इस गिनती के अतिरिक्त भी सामग्री प्राप्त हुई। गोपाल आर्या ने बताया कि सवा दस लाख स्टील की थालियां और 13 लाख कपडे के थैले तथा 2.5 लाख स्टील के गिलास महाकुंभ में भंडारों में वितरित किये गये।

अपने इस अभियान की सफलता का दावा करते हुए गोपाल आर्या ने दावा किया कि महाकुंभ में डिस्पोजेबल प्लेटों, गिलासों और कटोरों अर्थात पत्तल दोना का उपयोग से 80 से 85 प्रतिशत तक कचरे में कमी आयी है। साथही अपशिष्ट में लगभग 29,000 टन की कमी आई, जबकि अनुमानित कुल अपशिष्ट 40,000 टन से अधिक हो सकता था। उन्होंने कहा कि डिस्पोजेबल प्लेटों, गिलासों और कटोरों पर प्रतिदिन रुपये 3.5 करोड की बचत हुई, जो 40 दिवसीय आयोजन में कुल रुपये 140 करोड़ थी। इसमें परिवहन, ईंधन, सफाई कर्मचारी और अन्य संबंधित लागतें शामिल नहीं है।

आरएसएस के एक अन्य आनुषांगिक संगठन अखिल भारतीय वनवासी कल्याण के तत्वावधान में 6 फरवरी से 10 फरवरी 2025 तक प्रयागराज महाकुंभ के दौरान जनजाति सांस्कृतिक समागम का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों जनजाति समुदायों के 10 हजार से अधिक वनवासी लोग शामिल हुए थे। इन सभी दस हजार वनवासियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई और बादमें उन्हें त्रिवेणी संगम में डुबकी और स्नान करने का अवसर मिला। यह वनवासी लोगों के लिये अनोखा अवसर था और यहां देश के विद्वान महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज समेत कई अन्य धमार्चार्य, महंतों के विचार सुनने और मार्गदर्शन का सुअवसर मिला। महाकुंभ में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, डॉ कृष्णगोपाल, भैयाजी जोशी, समेत अन्य प्रमुख पदाधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों शामिल हुए थे।

महाकुंभ के कारण देश की अर्थव्यवस्था में तो निश्चित ही बढ़ोत्तरी हुई है और विशेषकर उत्तरप्रदेश के लोगों के जीवनस्तर में वृध्दि होने के संकेत तथा लक्षण आनेवाले दिनों में दिखाई देंगे। साथही महाकुंभ की मदद से मार्च 2025 के अंत तक चार ट्रिलियन डालर की भारत की अर्थव्यवस्था हो जाने का अनुमान देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने व्यक्त किया है। तो दूसरी ओर राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिये पिछले कई वर्षों से हुए लम्बे संघर्ष और बलिदान के बाद देश में पैसा माहौल बन रहा था हिंदुत्व और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के जागरण के कारण विशेषकर राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के बाद तथा हाल में संपन्न महाकुंभ से हमारा हिन्दू समाज अपने मूल जड़ों की ओर वलौटता दिखाई दे रहा है, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नही होगी।

प्रमोद मुजुमदार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन की चुनौती

- **भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे की नई कार्ययोजना अच्छी लेकिन इसमें अधिकारियों की जवाबदेही का अभाव**

महाकुंभ25 के दौरान 16 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत के बाद रेल मंत्रालय नींद से जागा है और उसने स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के बाबत एक ठोस कार्ययोजना का ऐलान किया है। पिछले दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस योजना को लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए देश के 60 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं जो अधिक भीड़ के लिए जाने जाते हैं। त्योहारों और उत्सवों के दौरान यहां यात्रियों का अत्यधिक जमाव होता है।

कार्ययोजना के तहत इन स्टेशनों के बाहरी हिस्सों में स्थायी वेटिंग एरिया बनाए जाएंगे। यह फैसला 2024 के उस अनुभव के आधार पर लिया गया है जिसके तहत त्योहारों के दौरान सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में वेटिंग एरिया बनाकर भारी भीड़ को नियंत्रित किया जा सका था। वहां ट्रेन आने के बाद ही यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी गई थी। महाकुंभ25 के दौरान इसी तरह की व्यवस्था प्रयाग क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर की गई थी। लेकिन अन्य स्टेशनों के बारे में रेल प्रशासन ने नहीं सोचा। उसे लगा कि महाकुंभ के दौरान केवल प्रयागराज के स्टेशनों पर ही भीड़ होगी। बाकी स्टेशनों पर सामान्य हालात बने रहेंगे। जब समाचार पत्रों और डिजिटल मीडिया में महाकुंभ के लिए पूरे देश से करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने और लगातार भीड़ बढ़ने की खबरें आ रही थीं तब भी रेलवे के अधिकारी नहीं चेते और प्रयागराज में ही उलझे रहे। उन्होंने इस तथ्य पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया कि ये करोड़ों लोग जिन जगहों से महाकुंभ आ रहे हैं उन स्टेशनों पर कैसे हालात हैं। जबकि देश के हर प्रमुख शहर से सामान्य ट्रेनों और विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार बढ़ाया जा रहा था और टिकटों की अनआपशनाप बिक्री हो रही था।

बहरहाल, 16 फरवरी के हादसे के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक अरुण कुमार की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी के सुझावों के आधार पर नई दिल्ली के अलावा आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और पटना स्टेशनों पर उक्त कार्ययोजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू कर दिया गया है। और होली के दौरान परीक्षण भी हो जाएगा।

एक्सेस कंट्रोल कठिन

कार्ययोजना में उक्त 60 स्टेशनों पर एक्सेस कंट्रोल की बात कही गई है। यानी केवल कन्फर्म आरक्षित टिकटधारी को ही सीधे प्लेटफार्मों पर जाने की अनुमति मिलगी। बाकी अनारक्षित, जनरल टिकट और बिना टिकट वालों को वेटिंग एरिया में रखा जाएगा। जब बिना टिकट वाले भी वेटिंग एरिया में प्रवेश पा सकेंगे तो वहां उन्हें टिकट खरीदने या देने की सुविधा भी प्रदान करनी पड़ेगी। यानी वेटिंग एरिया या तो टिकट काउंटर वाले हॉल में होंगे या बाहर खुली जगहों पर जहां टीटीई हैंडहेल्ड मशीन से बेटिकटों को टिकट देंगे। या वहां पर महाकुंभ की तरह क्यूआर कोड वाली यूनिफार्म पहले कर्मचारी तैनात करने होंगे। यह काम आसान नहीं है।

अनधिकृत एंट्री प्वाइंट का जाल

कार्ययोजना में स्टेशनों पर अनधिकृत एंट्री प्वाइंट्स को बंद करने का वादा किया गया है। मानो बहुत बड़ी चीज करने जा रहे हैं। अरे भाई, यह तो हर स्टेशन पर हमेशा होना चाहिए। प्रवेश क्या, कोई भी अनधिकृत चीज आखिर कैसे बर्दाश्त की जा सकती है। लेकिन यह हकीकत है कि रेलवे स्टेशनों पर कोई भी निर्द्वंद्व व्यक्ति कहीं से भी प्रवेश कर सकता है। दीवारें और कंटीले तार उन्हें नहीं रोक सकते। पुलिस बल कम है। इसलिए कैमरों और आधुनिक तकनीक के जरिए ही इन पर नियंत्रण संभव है। लेकिन वे दुरुस्त रहें, हमेशा चालू रहें और उनकी मॉनिटरिंग करने वाले कंट्रोल रूम के लोग भी ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं इसे कैसे सुनिश्चित किया जाएगा? क्योंकि अनेक यात्रियों का सामान नई दिल्ली स्टेशन पर स्कैनिंग के दौरान गायब हो गया। और जब सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो उनका मुंह किसी और दिशा में था।

स्टेयरकेस का डिजाइन भी देखिए

कार्ययोजना के तहत 12 मीटर या 40 फीट और 6 मीटर 20 फीट चौड़ाई वाले नए स्टैंडर्ड फुट-ओवर ब्रिज के डिजाइन मंजूर किए गए हैं। इससे लगता है कि रेलवे ने माना है कि ज्यादा स्टेशनों पर मौजूदा एफओबी संकरे हैं। पर नई दिल्ली स्टेशन के एफओबी तो खासे चौड़े हैं। लेकिन वहां भगदड़ मची। क्योंकि उसका कारण फूट ओवर ब्रिज नहीं, बल्कि स्टेयरकेस यानी सीढ़ियां थीं। लेकिन कार्य योजना में स्टेयरकेस की चौड़ाई बढ़ाने या डिजाइन सुधारने की कोई बात नहीं है। यह एक कमी है। हां, रैंप का जिक्र जरूर है। लेकिन एक तो बहुत कम स्टेशनों पर रैंप हैं और जो हैं उनकी चौड़ाई बढ़ाने की चर्चा कहीं नहीं की गई है।

कैमरों के पीछे स्थिति खराब

महाकुंभ के दौरान भीड़ नियंत्रण में कैमरों की अहम भूमिका रही। इसलिए कार्ययोजना में सभी स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी के लिए बड़ी संख्या में कैमरे लगाने की बात कही गई है। यह काम पहले क्यों नहीं हुआ यह एक सवाल है। और अब जब कैमरे बढ़ाए जाएंगे तो उनकी निगरानी अगर वैसे ही हुई जैसी नई दिल्ली में हो रही थी तो फिर पैसे बर्बाद करने का क्या फायदा?

वार रूम के अधिकारी

योजना के अनुसार बड़े स्टेशनों पर वार रूम विकसित किए जाएंगे। भीड़भाड़ की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी वार में कार्य करेंगे। यानी घूमफिर कर जिम्मेदारी अधिकारियों पर होगी। लेकिन इन्हें जिम्मेदार कौन और कैसे बनाएगा, असल सवाल तो ये है। अधिकारियों की लापरवाही की वजह से ही तो नई दिल्ली हादसा हुई। कार्ययोजना में बड़े स्टेशनों पर वॉकी-टॉकी, एनाउंसमेंट सिस्टम कॉलिंग सिस्टम लगाने का ऐलान अब किया गया है। जबकि रेलवे की खबरें पढ़-पढ़कर कर हम समझते थे कि यह काम हो चुका है।

पहचानपत्र, यूनिफार्म क्या करेंगे

सभी स्टाफ और सेवा कर्मियों को नए डिजाइन के आईडी कार्ड और यूनिफार्म दिए जाने की बात से ऐसा प्रतीत होता है मानो मौजूदा कार्ड और यूनिफार्म भीड़ प्रबंधन में बाधक है। और इसके बदलने से कोई चमत्कार हो जाएगा।

स्टेशन निदेशक को जिम्मेदार बनाओ

कार्ययोजना में सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक बनाने की घोषणा भी अजीब है। क्योंकि नई दिल्ली में तो यह पोस्ट पहले से है। पर उससे क्या हुआ? सभी अन्य विभाग स्टेशन डायरेक्टर को रिपोर्ट करेंगे। यह बात जरूर अलग है। और कि उसे वित्तीय अधिकार दिए जाएंगे यह भी। उसे स्टेशन की क्षमता और उपलब्ध ट्रेनों के अनुसार टिकट बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार भी दिया जाएगा। असल निर्णय ये हैं जिनसे वास्तव में फर्क पड़ेगा। स्टेशन निदेशक के अधिकार बढ़ाने से ज्यादा उसकी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

–संजय सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

ट्रंप की गणित, दुनिया भ्रमित

दुनिया तेजी से बदलती है...। और उससे भी ज्यादा तेजी से बदलते हैं वे देश, जो अपने हित के लिए पूरी व्यवस्था बदलने का माद्दा रखते हैं। अमेरिका इस मामले में अकेला देश है, जो खेल का नियम अपने लाभ के लिए बनाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अकेले उदाहरण नहीं हैं। कुछ लोग भले ही उनको सनकी मान रहे हों, पर इसके पहले भी अमेरिका फर्स्ट के नारे को साधने के लिए नियमों के साथ खिलवाड़ अमेरिकी हुक्मरानों ने किया है। पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण, और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए। पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया, कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई, कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाए। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था। तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भारत के गैरकानूनी प्रवासियों के साथ ट्रंप प्रशासन ने किया, उसके बाद यह अपेक्षा बेमानी है कि ट्रंप, मोदी सरकार को कोई विशेष छूट देने की सोच भी रहे हैं। वह कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, जहां भारत को लेकर चेतावनी वाले लहजे की गुंजाइश बनती हो। वह प्रधानमंत्री मोदी को अपने से ज्यादा हार्ड बार्गेनर तो बताते हैं, लेकिन यह कहना भी नहीं चूकते कि वह जल्दी ही इंपोर्ट ड्यूटी नई दिल्ली के खिलाफ भी लगाने जा रहे है। ट्रंप की नजर में भारत का ऑटो सेक्टर, इंजीनियरिंग सेक्टर, केमिकल इंडस्ट्री और कपड़ा इंडस्ट्री चुभ रही है। वह इन सभी क्षेत्रों पर अलग ड्यूटी बढ़ाने की धमकी दे रहे है। यह धमकी सच साबित हुई तो, संभव है कि भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट जाए। यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अगले साल तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन की बनाने की मोदी की योजना को भी झटका लग सकता है। ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई, अमेरिका के लिए कितनी लाभकारी होगी, इसे लेकर बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ट्रंप ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अभी तक फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सभी फैसले बिना सोच विचारे किए जा रहे हैं। किसी भी देश के साथ ट्रेड ड्यूटी या शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कोई वार्ता या समिट भी नहीं की है। जिन देशों के खिलाफ ट्रेड ड्यूटी बढाई गई हैं, वे भी अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में हैं। कनाडा ने तो अमेरिका के कई प्रांतों को अपने यहां से दी जा रही बिजली रोकने की धमकी दी है। ट्रंप चाहे जितना शोर मचा ले, अंत में अकेले रहने का जोखिम नहीं उठा सकते। हालांकि युक्रेन को झटका और रूस के साथ नजदीकियां ट्रंप के लिए एक नया विकल्प हो सकता है। युक्रेन से अमेरिकी मदद हटाने के एवज में रूस वाशिंगटन के नजदीक जाने से इनकार नहीं कर सकता और संभव है कि चीन के साथ अपने रणनीतिक संबंधों में भी फेरबदल करने को तैयार हो जाए, पर भारत की स्ट्रेजिक लोकेशन और चीन की काट के लिए बनाए गए रणनीतिक गठबंधन को अमेरिका नकार भी नहीं सकता। फिर भारत इस समय पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और खुद मोदी का कद बहुत ऊंचा हो चुका है। ऐसे में कोई भी देश भारत को सीधा अपने खिलाफ करने से गुरेज करेगा। ...और ट्रंप भी भारत को नाराज नहीं करना चाहेंगे।

–विक्रम उपाध्याय
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

Page-05_Layout 1 3/9/2025 3:00 AM Page 1

जम्मू कश्मीर कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी ने बहुभाषी महिला कवि गोष्ठी के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी ने आज केएल सहगल हॉल, जम्मू में बहुभाषी महिला कवि गोष्ठी का आयोजन करके अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। यह कार्यक्रम कई भाषाओं में महिला कवियों और लेखकों के साहित्यिक योगदान को श्रद्धांजलि थी, जो उनकी रचनात्मक क्षमता और बौद्धिक गहराई को दर्शाता है।

इस अवसर की अध्यक्षता सुनीता भड़वाल, डोगरी कवि और लेखिका, अनिला सिंह चारक, हिंदी कवि और लेखिका और संतोष शाह नादान प्रसिद्ध कश्मीरी कवयित्री सहित प्रख्यात साहित्यकारों ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेकेएएसीएल की सचिव हरविंदर कौर की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं स्वाभाविक रूप से सशक्त हैं क्योंकि उनमें मजबूत निर्णय लेने की क्षमता होती है उन्होंने इस अंतर को पाटने और लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया।

जेकेएएसीएल, जम्मू के डिवीजनल प्रमुख डॉ. जावेद राही ने अकादमी की ओर से सम्मानित अतिथियों और दर्शकों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने साहित्य में महिलाओं के अमूल्य योगदान को स्वीकार किया और अपने जीवन को आकार देने में महिलाओं की भूमिका के लिए आभार भी व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में निपुण कवयित्रियों ने भाग लिया जिन्होंने विभिन्न भाषाओं में अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं, जिससे यह अवसर भाषाई विविधता का सच्चा उत्सव बन गया।

कार्यक्रम का समापन जेकेएएसीएल, डोगरी की संपादक रीता खडयाल द्वारा प्रस्तुत हार्दिक धन्यवाद के साथ हुआ, जिन्होंने उत्सव को सफल बनाने के लिए सभी कवियों, मेहमानों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला प्रशासन कुलगाम ने बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

कुलगाम। जिला प्रशासन कुलगाम ने समाज कल्याण विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक जीवंत समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिले में महिलाओं की उपलब्धियों और उद्यमिता को उजागर करने वाली गतिविधियों की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल थी। कुलगाम के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) अतहर आमिर खान, जो मुख्य अतिथि थे, ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कॉन्फ्रेंस हॉल में इस सार्थक समारोह को आयोजित करने में प्रशासन का नेतृत्व किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रशासन, उद्यमियों, पेशेवरों और कामकाजी वर्ग सहित सभी क्षेत्रों की महिलाओं सहित विशेष आमंत्रितों के साथ एक संवादात्मक सत्र था।

मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है एलजी सिन्हा।

उपायुक्त ने राजौरी शहर में सफाई और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया।

मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है : उपराज्यपाल

- **रचनात्मकता को पोषित करने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए उन्हें अस्तित्व से एक विशेष उपहार मिला है**
- **महिला कलाकार और कारीगर सतत विकास की वास्तुकार हैं। एक उत्कृष्ट निमार्ता होने के लिए, किसी को प्रेम, दया और करुणा से भरा होना चाहिए और यही बात महिला कलाकारों को अद्वितीय बनाती है**
- **समकालीन कला और शिल्प क्षेत्र में महिला कलाकारों और कारीगरों की अधिक भागीदारी ने इस क्षेत्र को समृद्ध किया है और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के ताने-बाने को मजबूत किया है**
- **जम्मू और देश के कई कारीगरों ने नई उपलब्धियाँ हासिल की हैं और अन्य एक उज्जवल कल के लिए अपना रास्ता बना रहे हैं**

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर ने आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा पद्मश्री पद्मा सचदेव राजकीय महिला महाविद्यालय, गांधी नगर के सहयोग से बुद्ध कला एवं चित्रकला द्वारा आयोजित सशक्त नारी सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल ने कहा, मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है। उन्हें रचनात्मकता का पोषण करने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अस्तित्व से एक विशेष उपहार मिला है। उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर की महिला कलाकारों और कारीगरों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उपराज्यपाल ने कहा, महिला कलाकार और कारीगर सतत विकास की वास्तुकार हैं। एक उत्कृष्ट निमार्ता बनने के लिए, किसी को प्रेम, दया और करुणा से भरा होना चाहिए और यही बात महिला कलाकारों को अद्वितीय बनाती है। समकालीन कला और शिल्प क्षेत्र में महिला कलाकारों और कारीगरों की अधिक भागीदारी ने इस क्षेत्र को समृद्ध किया है और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के ताने-बाने को मजबूत किया है।

जम्मू-कश्मीर और देश के कई कारीगरों ने नई उपलब्धियां हासिल की हैं और अन्य लोग एक उज्जवल कल के लिए अपना रास्ता बना रहे हैं। उपराज्यपाल ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण अब एक जन आंदोलन बन गया है। उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में महिला-नेतृत्व वाले विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। आज, हमारी नारी शक्ति अपनी सफलता की कहानी लिख रही हैं और जम्मू कश्मीर की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बन गई हैं। उन्होंने कलाकारों, कारीगरों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षकों, उद्यमियों और विभिन्न हितधारकों से महिला सशक्तिकरण के लिए सामूहिक रूप से काम करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि नारी शक्ति को समर्पित सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने सफल महिलाओं और छात्राओं को सम्मानित किया।

उन्होंने महिला कलाकारों और कारीगरों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी दौरा किया। महिलाओं के सशक्तिकरण में योगदान के लिए संगठनों और व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य सचिव ने विभिन्न प्रवासियों को दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग के साथ एक गहन बैठक की, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न जिलों में आपदा प्रबंधन तैयारियों की स्थिति के अलावा जम्मू-कश्मीर के विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत और पुनर्वास उपायों का आकलन किया गया।

डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत और पुनर्वास उपायों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक उपाय के लिए निर्धारित समयसीमा को बिना किसी चूक के पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने कश्मीरी पंडित (पीएम पैकेज) कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे 6000 पारगमन आवासों की स्थानवार स्थिति पर ध्यान दिया। उन्होंने निर्मित, निमार्णाधीन तथा इन कर्मचारियों द्वारा आवंटित एवं अधिभोग किए गए फ्लैटों के विवरण के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार से पूर्ण हो चुके फ्लैटों को तत्काल आवंटित किया जाना चाहिए तथा इन संरचनाओं के वास्तविक उपयोग के लिए चारदीवारी, आंतरिक सड़कें, पहुंच मार्ग जैसे संबद्ध कार्य भी किए जाने चाहिए। इन प्रवासी परिवारों को एनएफएसए के अंतर्गत शामिल किए जाने के संबंध में मुख्य सचिव ने वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन, विवाह सहायता, छात्रवृत्ति, आयुष्मान भारत गोल्ड कार्ड जैसे संबद्ध लाभ प्रदान करने पर जोर दिया, ताकि उनके मन में किसी भी प्रकार की शंका का समाधान हो सके तथा अन्य लाभ भी प्राप्त किए जा सकें। मुख्य सचिव ने कश्मीरी प्रवासी शिकायत पोर्टल को अपडेट करने के लिए भी कहा, ताकि इसके उपयोगकर्ताओं के लिए इसकी कार्यप्रणाली को और अधिक संतोषजनक बनाया जा सके। उन्होंने इन राहत उपायों की समग्र दक्षता बढ़ाने के लिए सभी प्रवासी रिकॉर्डों के डिजिटलीकरण के भी निर्देश दिए।

बैठक में पुनर्वास पैकेज के तहत पीओजेके और अन्य पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों को कवर करने के लिए शुरू किए गए आउटरीच अभियानों की प्रगति पर ध्यान दिया गया। इसमें सुकेतर में 'पीओजेके भवन' की स्थापना, जगती में सामुदायिक हॉल और इन विस्थापित लोगों की अन्य मांगों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

डुल्लू ने विभाग को विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए विभाग की क्षमता बढ़ाने के लिए और अधिक तैयार होने पर जोर दिया, जिनसे यूटी संवेदनशील है। उन्होंने उनसे अपनी क्षमता का इष्टतम उपयोग करके आपातकालीन संचालन केंद्र को कार्यात्मक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने देखा कि इसने प्रभावित आबादी को राहत सुनिश्चित करते हुए आपदाओं के समय भूमिका बढ़ाई है।

उन्होंने ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड की आपदाओं को रोकने के लिए विभिन्न पर्वतीय झीलों में अभियान चलाने के बाद एकत्र किए गए डेटा का उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने राहत गतिविधियों के दौरान काम करने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए छात्रों और अन्य स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का आह्वान किया।

डीएमआरआरएंडआर के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती ने बैठक में विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें आवश्यक जनशक्ति तैनात करके यूटी, डिवीजनल और जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने बैठक में विभाग द्वारा की जा रही राहत और आपदा प्रबंधन गतिविधियों और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के कामकाज से अवगत कराया।

पर्यटन निदेशालय ने होटल व्यवसायियों के लिए जारी की एडवाइजरी

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। पर्यटन निदेशालय जम्मू-कश्मीर ने आज यहां जारी एडवाइजरी में होटल, लॉज, होमस्टे, व्यक्तिगत घर, विश्वविद्यालय, अस्पताल, छात्रावास, संस्थान और अन्य से कहा है कि यदि वे अपने परिसर में विदेशियों को आवास प्रदान करते हैं, तो वे 24 घंटे के भीतर पंजीकरण अधिकारियों को फॉर्म सी में विवरण प्रस्तुत करें। इससे पंजीकरण अधिकारियों को विदेशियों का पता लगाने और उन पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 7 में बताया गया है कि ऑनलाइन फॉर्म सी एक अनिवार्य फॉर्म है जिसे होटल के रखवालों, होमस्टे, गेस्ट हाउस और अन्य लोगों द्वारा सरकारी साइट पर सभी विदेशियों के लिए भरना होगा। इसके अलावा, उपरोक्त निदेशों का पालन न करने पर विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 के तहत 5 साल तक की कैद और जुमार्ना भी हो सकता है।

फॉर्म-सी में आने वाले विदेशी मेहमानों का विवरण शामिल होना चाहिए जैसे आगमन और प्रस्थान की तारीख; सभी विदेशियों का फोटो पहचान पत्र; वैध यात्रा दस्तावेजों का विवरण जिसमें वैध पासपोर्ट और वीजा शामिल हैं; यात्रा का उद्देश्य (टिप्पणी कॉलम के तहत जोड़ा जाना है); मोबाइल नंबर के साथ भारतीय संदर्भ का नाम; अगले गंतव्यों के साथ आगे की यात्रा कार्यक्रम।

किसी विदेशी मेहमान को मौद्रिक विचार के लिए होस्ट करने वाले किसी भी व्यक्ति को फॉर्म सी जमा करना आवश्यक है। इसमें टूरिस्ट वीजा, बिजनेस वीजा, विजिटिंग वीजा, रोजगार वीजा, मेडिकल वीजा, कॉन्फ्रेंस वीजा, प्रोजेक्ट वीजा, इंटर्न वीजा, रिसर्च वीजा, जर्नलिस्ट वीजा आदि पर विदेशी भी शामिल हैं। मेजबान को विदेशी के सही आगमन/प्रस्थान की तारीख और समय का उल्लेख करते हुए अलग-अलग आगंतुक रजिस्टर बनाए रखना चाहिए। संबंधित होटल, लॉज, होम स्टे और गेस्ट हाउस आदि में चेक-इन करने वाले विदेशियों की ओर से किसी भी संदेह या चूक के मामले में, मालिक तुरंत सीआईडी एसबी जम्मू नियंत्रण कक्ष को टेलीफोन नंबर 0191-2584375, 0191-2582621, 6005504514, 8825097826 पर सूचित कर सकते हैं।

जिला प्रशासन श्रीनगर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया

- **उपायुक्त श्रीनगर ने बालिकाओं को महत्व देने और लिंग-भेद को रोकने के लिए रचनात्मक वातावरण बनाने पर जोर दिया**
- **जिले की सफल महिलाओं और निबंध प्रतियोगिता की विजेताओं को सम्मानित किया**

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। हर साल 8 मार्च को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, जिला प्रशासन श्रीनगर द्वारा आज एसपी कॉलेज के सभागार में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण विषय पर एक प्रभावशाली समारोह आयोजित किया गया।

जिला प्रशासन श्रीनगर और जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर (डीसी) श्रीनगर डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट मुख्य अतिथि थे। समारोह के दौरान महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा श्रीनगर की सफल महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डीसी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व और महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन और समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बालिकाओं के जन्म के महत्व को रेखांकित किया और बालिकाओं को सशक्त बनाने और समाज और घरेलू स्तर पर उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए लैंगिक रूढ़िवादिता को समाप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दिवस लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तिकरण की चिंताओं को दूर करने के लिए भी मनाया जाता है।

डीसी ने बालिकाओं को महत्व देने और लैंगिक पूर्वाग्रह को रोकने के लिए एक रचनात्मक वातावरण बनाने पर जोर दिया, जिससे बालिकाओं का अस्तित्व और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

डॉ. बिलाल ने सभी प्रतिभागियों से नीतियों की वकालत करके, महिलाओं के व्यवसायों का समर्थन करके और उन्हें सलाह देकर और शिक्षित करके, लैंगिक मानदंडों को चुनौती देकर और संकट में महिलाओं की मदद करने के लिए हिंसा के खिलाफ बोलकर लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के आंदोलन का समर्थन करने का आग्रह किया। डीसी ने महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए महिला मुक्ति की दिशा में विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का भी उल्लेख किया, खासकर समाज के वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए। उन्होंने समाज की समग्र समृद्धि के लिए महिला सशक्तिकरण में सभी को योगदान देने का आह्वान किया।

जिला प्रशासन श्रीनगर ने एसपी कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया।

Page-06_Layout 1 3/9/2025 12:16 AM Page 1

पंजाब से फरार पास्टर नेपाल के धार्मिक सभा में दिखा, लुकआउट नोटिस जारी

काठमांडू, (हि.स.)। पंजाब में यौन दुराचार के मामले में अदालत से गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद फरार चल रहा ईसाई पास्टर बजिंदर सिंह नेपाल में ईसाई मिशनरी के आयोजित धार्मिक सभा में खुलेआम सहभागी करते दिखा है। नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग ने इसकी पुष्टि की है।

उत्तराखंड सीमा से सटे नेपाल के कैलाली जिले के टीकापुर में 5 और 6 मार्च को आयोजित ईसाई मिशनरियों के कार्यक्रम में भाषण देने वाला 42 वर्षीय पास्टर बजींदर सिंह के भारत से फरार आरोपित होने की जानकारी मिली है।

बजींदर सिंह पर पंजाब के मोहाली जिले से गैर जमानती वारंट जारी होने की जानकारी दी गई है।

पंजाब पुलिस की तरफ से नेपाल पुलिस को भेजे गए पत्र के मुताबिक पास्टर बजिंदर सिंह पर पंजाब की एक महिला ने 28 फरवरी को अश्लील बात एप मैसेज भेजने और अपने साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

पंजाब पुलिस ने अपने पत्र में लिखा है कि इस घटना की जांच के लिए मोहाली पुलिस ने तीन सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है। बजींदर सिंह को इसी विशेष टीम के समक्ष जिस दिन पेश होना था, उसी दिन वह वाहन से फरार हो गया।

पंजाब पुलिस के भेजे गए पत्र के बाद नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग के पता लगाए जाने पर बजिंदर के सुदूर पश्चिम प्रदेश के जिला कैलाली के टीकापुर में धार्मिक कार्यक्रम में भाषण करता हुआ दिखा है। काठमांडू पुलिस प्रमुख टेक बहादुर तमांग ने बताया कि आरोपित पास्टर को कैलाली जिले में हुए ईसाइयों के धार्मिक कार्यक्रम में सहभागी होने का वीडियो फेसबुक पर मिलने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है।

हरियाणा राज्य के निवासी बजिंदर सिंह के पास दो हजार से अधिक चर्च होना बताया गया है। आरोपित पास्टर पर इससे पहले भी यौन दुराचार का मामला चल चुका है।

नेपाल पुलिस को भेजे गए आरोपित के हिस्ट्रीशीटर होने और 2018 में भी यौन दुर्व्यवहार के मामले में गिरफ्तारी होने की जानकारी दी गई है। गैर कानूनी संपत्ति रखने के आरोप में 2023 ने भारतीय आयकर विभाग ने बजिंदर सिंह के दर्जनों चर्च पर एक साथ छापेमारी की थी।

पुलिस के रिकॉर्ड के मुताबिक बजिंदर सिंह 15 वर्ष पहले हत्या के मामले में जेल की सजा काट चुका है। इसी दौरान उसने जेल में ही ईसाई धर्म को स्वीकार किया और जेल से सजा काटने के बाद वह पास्टर बन गया था।

एथेंस में यूनान के प्रधानमंत्री कायरियाकोस मिटसोटाकीज सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को देखते हुए अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बातें करते हुए।

सीरिया में सीरियाई सेना अपदस्थ नेता बशर अल असफ के समर्थकों से संघर्ष करती हुई। इसी दौरान निकलता हुआ काला धुआं।

पाकिस्तान ने अफगानी शरणार्थियों को 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा, अप्रैल से शुरू होगा जबरन निर्वासन

इस्लामाबाद, (हि.स.)। अवैध शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तान भी अमेरिका की तरह सख्त कदम उठाने जा रहा है। पाकिस्तान ने अवैध शरणार्थियों और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च तक देश छोड़कर जाने को कहा है। निर्धारित समय के भीतर अगर उन्होंने स्वेच्छा से पाकिस्तान नहीं छोड़ा तो उन्हें 1 अप्रैल से जबरन निर्वासित किया जाएगा। यह निर्णय सरकार के अवैध विदेशी वापसी कार्यक्रम (आईएफआरपी) का हिस्सा है, जो शहबाज शरीफ सरकार ने 1 नवंबर 2023 से लागू किया था।

समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि सभी अफगान नागरिकता कार्ड धारकों और अवैध विदेशी नागरिकों को 31 मार्च 2025 तक देश छोड़ना होगा। जो लोग इस समय सीमा के भीतर स्वेच्छा से वापस नहीं लौटेंगे, उनके 1 अप्रैल 2025 से जबरन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि निष्कासन की प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान अपनी सीमा में हो रहे आतंकवादी हमलों और अपराधों के लिए लगातार अफगान नागरिकों को दोषी ठहरा रहा है। इन आरोपों के आधार पर साल 2023 में पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू किया था।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2023 के बाद से अब तक 8 लाख से अधिक अफगानी पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट चुके हैं। पाकिस्तान ने लगभग 2.8 करोड़ अफगान शरणार्थियों को शरण दी है। अफगानिस्तान में पिछले 40 साल से जारी संघर्षों के दौरान ये शरणार्थी अलग-अलग समय पर पाकिस्तान पहुंचे हैं।

खास बात यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया जिनमें सबसे ज्यादा संख्या में पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जो 80 के दशक में आए थे। तालिबान की वापसी के बाद 6 लाख से अधिक नए शरणार्थी पाकिस्तान पहुंचे।

वर्ष 2024 में नेपाल से 54 अमेरिकी नागरिकों को किया गया डिपोर्ट

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल से पिछले वर्ष 54 अमेरिकी नागरिकों को विभिन्न आरोप में डिपोर्ट किया है। इनमें अधिकांश धर्मांतरण के काम में शामिल होने वाले अमेरिकी नागरिक शामिल हैं तो कुछ वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध तरीके रहते हुए पाए जाने के कारण निष्कासित हुए।

नेपाल के इमिग्रेशन विभाग के रहे रिकार्ड के मुताबिक 01 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक में 54 अमेरिकी नागरिकों को देश से निष्कासित किया गया है। विभाग के प्रवक्ता ईश्वरी दत्त ने कहा कि नेपाल के प्रचलित कानून के मुताबिक अन्य देशों के अवैध नागरिकों के साथ अमेरिकी नागरिकों को भी डिपोर्ट किया गया है।

इसके कारणों को बताते हुए दत्त ने कहा कि नेपाल से डिपोर्ट किए गए 54 अमेरिकी नागरिकों में से 45 को नेपाली कानून का उल्लंघन करने और शेष को वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध तरीके से रहने के कारण डिपोर्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी के निष्कासन की औपचारिक जानकारी काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास को दी गई है।

नेपाल के कानून के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट किए गए सभी अमेरिकी नागरिक प्रत्यक्ष रूप से धर्मांतरण के काम में सक्रिय थे। नेपाली कानून के मुताबिक पर्यटकीय वीजा या वर्क परमिट लेकर आने वाला कोई भी विदेशी नागरिक के किसी भी बहाने से धर्मांतरण के काम में लगने को गैर कानूनी बताया गया है। धर्मांतरण के आरोप में नेपाल से निष्कासित विदेशी नागरिकों में अमेरिका के बाद दक्षिण कोरिया और जापान के नागरिक भी शामिल हैं।

भारत के टैरिफ कटौती पर राष्ट्रपति ट्रंप का बयान, आखिरकार मनवा ही लिया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अपने शुल्क में पर्याप्त कटौती करने के लिए सहमत है, क्योंकि भारत अमेरिका पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल होता है। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। यह करीब प्रतिबंधात्मक है। हम अंदर बहुत कम व्यापार करते हैं। शुक्रवार देर रात अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप ने कहा कि भारत भारी शुल्क लगाता है, जिसकी वजह से अमेरिका वहां बहुत कम व्यापार कर पाता है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने ट्रंप की टिप्पणी पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, क्योंकि यह वक्तव्य कार्यालय समय के बाहर दिया गया था।

अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखना भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक प्राथमिकता है, क्योंकि वह अपने देश को उन प्रतिशोधी शुल्कों से बचाना चाहते हैं, जिनकी शुरूआत अगले महीने हो सकती है। साल 2023 में अमेरिका और भारत के बीच व्यापार बढ़कर 127 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। इस कारण नई दिल्ली पर एक व्यापार समझौता करने का दबाव बढ़ रहा है। दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर सहमति जाहिर की है।

मोदी सरकार ने हाल के हफ्तों में ट्रंप प्रशासन के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कई रियायतें दी हैं। इसमें हाई-एंड मोटरसाइकिल और व्हिस्की सहित विभिन्न उत्पादों पर शुल्क में व्यापक कटौती और अमेरिका से अधिक ऊर्जा और हथियार खरीदने का वादा शामिल है। भारतीय अधिकारी कारों, कुछ कृषि उत्पादों, रसायनों, महत्वपूर्ण दवाओं और कुछ चिकित्सा उपकरणों व इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी शुल्क घटाने पर चर्चा कर रहे हैं। भारत ने 2025-26 के केंद्रीय बजट में बोरबॉन व्हिस्की वाइन और इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट पर टैरिफ कम करने का फैसला किया है। भारत के फैसले को अमेरिका के राष्ट्रपति को संतुष्ट करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वाशिंगटन, भारत से अधिक अमेरिकी तेल, गैस और रक्षा उपकरण खरीदने की मांग कर रहा है, ताकि अमेरिका-भारत व्यापार घाटा, जो कि वर्तमान में भारत के पक्ष में 45 अरब डॉलर के आसपास है, कम किया जा सके। साल 2023 के कैलेंडर वर्ष में भारत और अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार (सामान और सेवाओं सहित) 190 अरब डॉलर रहा, जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर 5.9 तीव्रता का भूकंप, काठमांडू तक हिली धरती

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर आज दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गयी है। भूकंप का असर चीन सीमा से लगे कई जिलों में दिखा। राजधानी काठमांडू में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप से किसी भी प्रकार के जानमाल की क्षति होने की कोई खबर नहीं है। नेपाल के भूकंप मापन केंद्र के मुताबिक, शनिवार दोपहर स्थानीय समय के अनुसार 2:35 बजे भूकंप आया। भूगर्भविद भरत कोइराला ने कहा कि भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिगात्से में है। उल्लेखनीय है कि तिब्बत के शिगात्से में इसी वर्ष 7 जनवरी को एक बड़ा भूकंप आया था। उस दिन भूकंप की तीव्रता 7.1 थी। इस कारण से शिगात्से क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ था।

ग्रुप से हटाने पर एडमिन की हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की राजधानी पेशावर में व्हाट्सअप ग्रुप से निकाले जाने से नाराज एक व्यक्ति ने ग्रुप एडमिन की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना पेशावर के बाहरी इलाके रेगी में हुई। अभी तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस के मुताबिक मुश्ताक अहमद नाम के व्हाट्सअप एडमिन ने अशफाक खान को ग्रुप से बाहर कर दिया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रोक दी वित्तीय मदद, फटेहाल हो गया नेपाल

काठमांडू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वित्तीय मदद रोकने से नेपाल की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। नेपाल सरकार मौजूदा खर्चों को पूरा करने में असमर्थ है, हालात इतनी खराब हो चुकी हैं कि नेपाल सरकार को देश के लोगों से लोन लेना पड़ रहा है। नेपाल पर सार्वजनिक कर्ज तेजी से बढ़ रहा है। अब यह बोझ दोगुना हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले 7 महीनों में सार्वजनिक कर्ज में करीब 2 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है।

कर्ज प्रबंधन कार्यालय के अनुसार, बीते साल के जुलाई में सार्वजनिक कर्ज 24.034 लाख करोड़ रुपए था, जो फरवरी तक बढ़कर 26.011 लाख करोड़ रुपए हो गया। नेपाल में सरकारी कर्ज बढ़कर देश के जीडीपी का 45.77 प्रतिशत है। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा जीडीपी का 22 प्रतिशत था। वहीं, कुल कर्ज में विदेशी कर्ज 50.87 प्रतिशत है, घरेलू कर्ज 49.13 प्रतिशत है।

दरअसल यूएसएआईडी के 95 अरब रुपए के कार्यक्रमों के स्थगित होने से स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि प्रभावित हुई है। मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) परियोजना भी अमेरिकी सहयोग बंद होने के बाद रुक गई है। इस साल सरकार 18.063 लाख करोड़ रुपए का बजट लागू कर रही है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण बजट में करीब दस प्रतिशत की कटौती की गई है। पिछले सप्ताह सरकार ने नागरिक बचत बांड के माध्यम से 3.5 अरब रुपए का कर्ज जारी किया।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 5 खरब 47 अरब रुपये का सार्वजनिक ऋण जुटाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन चुकौती के लिए केवल 4 खरब 2 अरब रुपए आवंटित किए हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में सरकारी लोन चेतावनी के स्तर पर पहुंच गया है। सुशासन विशेषज्ञ डॉ. ठाकुर प्रसाद भट्ट ने कहा कि सार्वजनिक ऋण में वृद्धि से नेपाल की अर्थव्यवस्था को खतरा हो सकता है। ऋण का सही क्षेत्रों में प्रभावी उपयोग नहीं हो रहा है, जिससे समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति केपी शर्मा ओली की सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। बिगड़ती आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सरकार ने एक आर्थिक सुधार सुझाव आयोग का गठन किया है, लेकिन सुधार के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

दोबारा गृहयुद्ध की चपेट में आता सीरिया, सुरक्षाबल व असद समर्थकों में खूनी संघर्ष

दमिश्क, (हि.स.)। सीरिया एकबार फिर गृहयुद्ध की चपेट में है। देश के नये शासन और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद समर्थकों के बीच गुरुवार को शुरू हुआ खूनी संघर्ष लगातार जारी है। इस टकराव में अबतक करीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद से पहली बार सीरिया में हिंसा का यह दौर शुरू हुआ है।

14 साल तक गृहयुद्ध की आग में जले सीरिया में पिछले साल तब शांति का दावा किया जा रहा था जब इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूह ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद ने देश छोड़कर रूस में शरण ली। हालांकि चंद महीने बाद ही गुरुवार को दोबारा हिंसा शुरू हो गई।

समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सरकारी सुरक्षा बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया।

जिसके बाद से सुरक्षा बल के जवान, पूर्व राष्ट्रपति असद समर्थकों पर हमले कर रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों में सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई चल रही है जहां असद समर्थक और उनके परिवार का गढ़ है। सीरिया के तटीय प्रांत लातकिया में सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच ऐसा ही खूनी टकराव हुआ जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई।

इक्वेडोर में पुलिस एक अभियान के दौरान गैंगवार में पकड़े गये लोगों को पेश करती हुई।

म्यांमार में अगले 10 महीनों में आम चुनाव कराए जाएंगे : सैन्य शासन प्रमुख

नेपीडॉ, (हि.स.)। म्यांमार में चार साल पहले चुनी हुई सरकार को अपदस्थ कर सत्ता पर कब्जा करने वाले सैन्य शासन ने अगले 10 महीनों के भीतर आम चुनाव कराने की घोषणा की है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलैंग ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 तक कराए जाएंगे।

मिन आंग हलैंग ने बेलारूस की आधिकारिक यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। बेलारूस उन कुछ देशों में से एक है जो म्यांमार की सैन्य सरकार का समर्थन करता है। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' के अनुसार, अब तक 53 राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेने के लिए अपने आवेदन जमा कर चुके हैं। हालांकि, चुनाव की सटीक तिथि अभी तक घोषित नहीं की गई है।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब म्यांमार में गृहयुद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। लोकतंत्र समर्थक लड़ाके और स्वायत्तता की मांग कर रहे जातीय सशस्त्र समूह सेना के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को हटाकर सत्ता हथियाने के बाद से सैन्य शासन का विरोध जारी है। देश के अधिकांश हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है।

सैन्य सरकार ने पहले भी कई बार चुनाव कराने की बात कही थी, लेकिन इसे बार-बार टाल दिया गया। अब इस नए चुनावी ऐलान को सैन्य शासन को वैधता दिलाने और सत्ता में बने रहने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

Page-07_Layout 1 3/8/2025 11:25 PM Page 1

पाकिस्तान में न खेलना भारतीय बल्लेबाजों के लिए नुकसानदायक रहा : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारतीय टीम का पाकिस्तान में न खेलना उसके बल्लेबाजों के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। उनका कहना है कि भारत ने अपने सभी चैम्पियंस ट्रॉफी मैच दुबई में खेले, लेकिन इससे कोई खास फायदा नहीं हुआ। गांगुली टाटा स्टील ट्रेलब्लेजर्स खेल सम्मेलन में बोल रहे थे, जिसका आयोजन रेवस्पोर्ट्स ने किया था।

गांगुली ने स्पष्ट किया, भारतीय सरकार पाकिस्तान में भारतीय टीम को खेलने की अनुमति नहीं देती। इसका बीसीसीआई या भारतीय टीम से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल जैसे प्रमुख बल्लेबाज उन पिचों पर खेलने से वंचित रह गए, जहां अन्य टीमें आसानी से 350 से अधिक रन बना रही हैं। सौरव गांगुली, जिनकी कप्तानी में भारत ने 2000 में चैम्पियंस ट्रॉफी का उपविजेता और 2002 में संयुक्त विजेता बनने की उपलब्धि हासिल की थी, उन्होंने रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारत को बढ़त देने की बात कही। हालांकि, उन्होंने न्यूजीलैंड को भारत के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वी करार दिया।

उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी मजबूत है, लेकिन भारत की बल्लेबाजी अधिक शक्तिशाली है और हमारे पास भी शानदार स्पिनर हैं। कागजों पर भारत फेवरेट जरूर है, लेकिन फाइनल में कोई भी टीम फेवरेट नहीं होती।

गांगुली ने भारतीय टीम के सीमित ओवरों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि 2023 वनडे विश्व कप, 2024 टी20 विश्व कप और अब चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचना शानदार उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय सफलता है। कितनी टीमें लगातार इतने बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच पाती हैं? हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि टेस्ट क्रिकेट में भारत को सुधार की जरूरत है और यह ऐसा क्षेत्र है, जिस पर रोहित शर्मा की टीम को काम करना होगा।

गांगुली ने क्रिकेट और जीवन में सफलता को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने राहुल द्रविड़ का उदाहरण देते हुए कहा, राहुल ने कहा था कि उन्होंने 600 में से 400 बार असफलता देखी। जीवन में संघर्ष के क्षण अधिक आते हैं, लेकिन असली चुनौती हर सुबह पहले से मजबूत होकर उठने की होती है।

मुंबई इंडियंस ने लिजार्ड विलियम्स की जगह कोर्बिन बॉश को किया टीम में शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कोर्बिन बॉश को आईपीएल 2025 के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। वह अपने हमवतन तेज गेंदबाज लिजार्ड विलियम्स की जगह लेंगे, जो घुटने की चोट के कारण आगामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विलियम्स ने इस साल जनवरी में खेले गए एसए20 टूर्नामेंट में भी भाग नहीं लिया था और अब तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। मुंबई इंडियंस ने उन्हें उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में खरीदा था।

कोर्बिन बॉश, जिन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा था, अब मुंबई इंडियंस के सेटअप का हिस्सा बन गए हैं। वह पहले से ही इस फ्रेंचाइजी की एसए20 टीम, एमआई केप टाउन का हिस्सा रह चुके हैं, जहां उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ मैचों में 11 विकेट चटकाए थे, जिसमें सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ 4/19 के शानदार आंकड़े शामिल हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब बॉश को आईपीएल टीम से जुड़ने का अवसर मिला है। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स के लिए नेट बॉलर के रूप में जुड़े थे और बाद में नाथन कूल्टर-नाइल की जगह टीम में शामिल किए गए थे। हालांकि, उन्हें अभी तक आईपीएल में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है।

सिडनी में टीम फ्रांस के विजेता सेबेस्टीयन लोएब और विक्टर मार्टिन ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए।

लंदन में ब्रिटिश फीदरवेट चैम्पियनशिप में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ नजर आ रही लौरेन प्राइस।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच होगी चैंपियन बनने की जंग

नई दिल्ली, (हि.स.)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार (9 मार्च) को दुबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। यह ठीक एक सप्ताह पहले हुए ग्रुप स्टेज मुकाबले की पुनरावृत्ति होगी, जहां भारत ने शानदार जीत दर्ज की थी। अब तक इस टूर्नामेंट में भारत अजेय रहा है, जबकि न्यूजीलैंड ने अपनी लय हासिल करने के लिए सभी चार अलग-अलग स्थानों पर मैच खेले हैं। न्यूजीलैंड को दुबई में खेलने का अनुभव है और कागज पर वे भारत को कड़ी चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार दिखते हैं।

भारत को अपने अंतिम एकादश को लेकर एक बड़ा फैसला करना होगा—क्या वे कुलदीप यादव की जगह एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को खिलाएं? हालांकि, इससे उनके पास बाएं हाथ के न्यूजीलैंड बल्लेबाजों के खिलाफ स्पिन का एक प्रभावी विकल्प कम हो जाएगा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को यह तय करना होगा कि खराब फॉर्म में चल रहे विल यंग की जगह डेवोन कॉनवे को मौका दें या नहीं।

दुबई की पिच धीमी और टर्निंग रही है, जिससे स्पिनरों को मदद मिली है। अब तक के चार मैचों में, जिस टीम के स्पिनर प्रभावी रहे, वह जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत के स्पिनर तेज और सीधी गेंदबाजी करने में माहिर हैं, जो इस पिच पर कारगर साबित हो सकता है।

न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी भारत के शीर्ष क्रम के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकते हैं। उन्होंने पावरप्ले में भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ 20.20 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। उनके नाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल के विकेट भी दर्ज हैं। हालांकि, रोहित शर्मा ने हाल के मैचों में उनके खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाई है और पिछले दो मुकाबलों में हेनरी के खिलाफ 18 गेंदों पर 33 रन बनाए हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज आमतौर पर तेज शुरूआत करना पसंद करते हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्हें शुरूआत में सतर्क रहना पड़ सकता है। हालांकि, हेनरी की फिटनेस पर संशय बना हुआ है, क्योंकि सेमीफाइनल में फील्डिंग के दौरान उनके कंधे में चोट लगी थी।

न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रेसवेल इस टूर्नामेंट में बेहतरीन लय में हैं। सैंटनर की सफलता का सबसे बड़ा कारण उनकी सटीकता रही है—उन्होंने 39.5 प्रतिशत गेंदें स्टंप्स पर डाली हैं, जिससे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका कम मिला है। हालांकि, विराट कोहली के लिए बाएं हाथ के स्पिनर परेशानी का सबब रहे हैं। 2022 से अब तक, कोहली का औसत लेफ्ट आर्म स्पिन के खिलाफ केवल 26.80 का रहा है और उनका स्ट्राइक रेट भी 73 प्रति 100 गेंद से नीचे चला जाता है।

हालांकि, शुभमन गिल ने सैंटनर और ब्रेसवेल के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। गिल ने सैंटनर के खिलाफ 115 रन और ब्रेसवेल के खिलाफ 62 रन बनाए हैं, और अब तक उनसे आउट नहीं हुए हैं। मध्यक्रम के लिए स्पिन का सामना करना अहम रहेगा, खासकर जब दबाव में बड़े शॉट लगाने की जरूरत होगी।

रचिन रवींद्र इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़े रन-स्कोरर रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शतक लगाए हैं। भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में उनका शुरूआती विकेट गिरने के बाद टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। यदि फाइनल में वे क्रीज पर टिके रहते हैं, तो भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को अपने गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड की फील्डिंग शानदार रही है, और उन्होंने कैचिंग में 91.1 प्रतिशत की सफलता दर हासिल की है, जो किसी भी अन्य टीम से बेहतर है। उन्होंने अब तक 31 कैच लपके हैं और केवल तीन कैच छोड़े हैं। दूसरी ओर, भारत की फील्डिंग चिंता का विषय बनी हुई है—टीम अब तक सात कैच और एक स्टंपिंग का मौका गंवा चुकी है, जिससे विपक्षी टीमों को अतिरिक्त मौके मिले हैं।

अन्य टीमों की तुलना में भी न्यूजीलैंड का फील्डिंग प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। दक्षिण अफ्रीका 83.3 प्रतिशत कैचिंग एफिशिएंसी के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (76.1 प्रतिशत) और भारत (75.0 प्रतिशत) काफी पीछे हैं। पाकिस्तान की स्थिति सबसे खराब रही, जहां उनकी कैचिंग सफलता दर केवल 60 प्रतिशत रही।

दिल्ली

विकास लगरपुरिया गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विकास लगरपुरिया गिरोह के कुख्यात सदस्य रोहित गहलोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसको दो देसी पिस्तौल और 3 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले से पांच मामलों में शामिल है। वह हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने शनिवार को बताया कि रोहति गहलोत को गोलीबारी और हत्या के प्रयास के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। 31 अक्टूबर, 2024 को छावला थाना पुलिस को शिकायतकर्ता हिमांशु ने तहरीर दी थी कि 30 अक्टूबर की रात वह अपने चचेरे भाई रोहित का जन्मदिन खाटू श्याम चौक (श्याम विहार) पर मना रहे थे। तभी आरोपित रोहित अपने 4 साथियों के साथ आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने गोली चलाई। गोली पीड़ित के भाई रोहित भारद्वाज के कमर में लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घायल के भाई के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। डीसीपी के अनुसार आरोपित को पकड़ने के लिए स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को जिम्मा सौंपा गया। इस बीच पता चल कि रोहित पर पहले से ही पांच मामले दर्ज हैं।

पुलिस टीम आरोपितों की तलाश कर रही थी। इस बीच क्राइम ब्रांच की टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि आरोपित रोहित मुरथल (हरियाणा) के पास है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुलासा किया कि जनता में भय पैदा करने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर पपरावत गांव से दो देसी पिस्तौल और 03 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण पश्चिम जिले के सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान आरके पुरम सेक्टर-12 निवासी संतोष उर्फबंगाली (43) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित संतोष पहले से घरों में चोरी, आर्म्स एक्ट सहित 30 मामलों में शामिल रहा है। वह सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस का घोषित बदमाश भी है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी हुए तांबे के पाइप बरामद किए हैं।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस इलाके में चोरी और सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पुलिस टीम हाल की चोरी की घटनाओं के स्थान पर सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण कर रही थी। तभी पुलिस को एम्स ट्रॉमा सेंटर अस्पताल परिसर में लगे कैमरों में एक चोर दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपित की पहचान कर उसे टावर फैक्टरी रोड के पास से दबोचा। पूछताछ करने पर आरोपित ने एम्स ट्रॉमा सेंटर में चोरी की बात स्वीकार की। आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने एक मार्च को एम्स ट्रॉमा सेंटर के ओटी के पास से तांबे के पाइप चुराए थे।

भारत की मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है : पुष्कर सिंह धामी

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित डायरेक्ट सेलिंग महिला उद्यमिता समिट में कहा कि आज भारत की मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सेना, राजनीति, खेल, विज्ञान, कृषि, शिक्षा, उद्योग जैसे अनेक क्षेत्रों में मातृशक्ति द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश की मातृशक्ति के उत्थान एवं सशक्तीकरण के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले लगभग 11 वर्षों में देशभर में 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन के बैंक खाते खोले गए। देश में लखपति दीदी योजना के माध्यम से एक करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प पूरा करने के साथ ही 30 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुद्रा योजना के अंतर्गत लोन देकर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिला सशक्तीकरण के लिए देश की संसद ने लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का कानून पास किया है।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भी महिला सशक्तीकरण के लिए हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। सरकारी नौकरियों में राज्य की बेटियों को 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देकर हर विभाग में उनका उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है।

लखपति दीदी योजना के अंतर्गत उत्तराखंड एक लाख से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। राज्य सरकार द्वारा सशक्त बहना उत्सव योजना और मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तीकरण योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

यूनाइटेड फैसिलिटीज और एमबीएसआई ने दिल्ली पुलिस प्रशिक्षण के साथ महिला ड्राइवरों को सशक्त बनाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यूनाइटेड फैसिलिटीज और एमबीएसआई ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से एक विशेष ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आवश्यक ड्राइविंग कौशल प्रदान कर उनकी सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, वाहन रखरखाव और ग्राहक सेवा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुभवी प्रशिक्षकों ने व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया, जिससे प्रतिभागियों को सुरक्षित और आत्मनिर्भर ड्राइविंग के लिए आवश्यक दक्षता और आत्मविश्वास प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर इंस्पेक्टर रवि दत्त शर्मा ने कहा कि हमें एमबीएसआई और यूनाइटेड फैसिलिटीज के साथ इस साझेदारी की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। आज हमने महिला ड्राइवरों को यातायात नियमों और ड्राइविंग कौशल का ज्ञान देकर उन्हें सशक्त बनाया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह प्रशिक्षण न केवल उनकी सुरक्षा में योगदान देगा बल्कि सड़क पर एक सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में भी सहायक होगा।

कार्यक्रम के दौरान यूनाइटेड फैसिलिटीज के निदेशक उपेन्द्र सिंह आनंद ने कहा कि हमने महसूस किया कि हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विविध और कुशल ड्राइवर वर्कफोर्स विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। एमबीएसआई और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ हमारी साझेदारी ने न केवल महिला सशक्तीकरण को समर्थन दिया, बल्कि हमारे कर्मचारी परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सुरक्षा मानकों को भी मजबूत किया, जिससे सभी के लिए एक अधिक सुरक्षित और समावेशी अनुभव सुनिश्चित हुआ।

इस संयुक्त प्रयास ने प्रतिभागियों को उच्चतम सुरक्षा मानकों के अनुरूप कठोर प्रशिक्षण प्रदान किया और जिम्मेदार एवं सुरक्षित ड्राइविंग संस्कृति को बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, इस पहल ने महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने और तेजी से विकसित हो रहे परिवहन क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे सामाजिक और आर्थिक बदलाव को गति मिली।

इस अवसर पर एमबीएसआई के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, नाकाओ हीरोशी ने कहा कि एमबीएसआई का लक्ष्य पूरे भारत में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है, जिसके लिए हम सुलभ और सतत गतिशीलता समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे सम्मानित व्यावसायिक भागीदार, यूनाइटेड फैसिलिटीज के साथ यह सहयोग भारत के गतिशीलता क्षेत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेशेवर ड्राइवर प्रशिक्षण के माध्यम से हम सुरक्षित सड़कों और महिला सशक्तीकरण की दिशा में योगदान कर रहे हैं। हम इस पहल को सफल बनाने में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अमूल्य समर्थन की गहरी सराहना करते हैं।

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित डायरेक्ट सेलिंग महिला उद्यमिता समिट में भाग लेते हुए।

Page-08_Layout 1 3/9/2025 1:57 AM Page 1

हेल्थ टूरिज्म का हब बन रहा गौतमबुद्ध नगर : योगी

- ग्रेटर नोएडा में 'शारदा केयर-हेल्थ सिटी' का सीएम योगी ने किया लोकार्पण
- बोले योगी, सभ्य समाज के लिए अच्छी शिक्षा के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं आवश्यक
- सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए
- यूपी में बीते 8 साल में सुदृढ़ हुई है स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

दिव्य भारत संवाददाता

गौतमबुद्ध नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर गौतमबुद्ध नगर पहुंचकर ग्रेटर नोएडा में 'शारदा केयर-हेल्थ सिटी' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने शारदा ग्रुप को धन्यवाद देते हुए इसे सेवा और निवेश का अनूठा संगम बताया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सभ्य समाज के लिए अच्छी शिक्षा के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं आवश्यक हैं।

उन्होंने निजी क्षेत्र के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सीएम योगी ने शारदा यूनिवर्सिटी को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि हेल्थ टूरिज्म बहुत बड़ा सेक्टर है और गौतमबुद्ध नगर इसका बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया की निगाह हमपर है।

सीएम ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुई प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां 70 साल में देश में 6 एम्स खुले, वहीं पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में इनकी संख्या 22 हो गई। उत्तर प्रदेश में 2017 तक केवल 12 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन पिछले 8 साल में 40 नए मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं।

इसके अलावा निजी क्षेत्र में 37 और पीपीपी मॉडल में 3 नए मेडिकल कॉलेज (महाराजगंज, संभल और शामली) स्थापित किए गए हैं। आने वाले समय में बलिया और बलरामपुर में भी मेडिकल कॉलेज बनेंगे, जिसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। इसके बाद बचे हुए 6 जनपदों में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित होंगे।

उन्होंने आगे बताया कि यूपी में दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) और बीएचयू का आईएमएस मौजूद है। हर जनपद में निःशुल्क डायलिसिस, सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर डॉक्टर और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध हों, इसके लिए भी प्रयास किए गए हैं। हर रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 'मुख्यमंत्री आरोग्य मेला' आयोजित होता है, जहां स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी जाती है। योगी ने कहा कि देश में सर्वाधिक 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के गोल्डन कार्ड यूपी में दिए गए हैं। इसके अलावा, आशा वर्कर, एएनएम, होमगार्ड, पीआरडी जवान और चौकीदारों को भी 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए भी कई अहम कदम उठाए गए हैं।

ग्रामीण महिला विशेष पर तकनीकी सत्र जल सहेलियों का सम्मान।

हमने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एक बड़ी छलांग लगाई : योगी

दिव्य भारत संवाददाता

गौतमबुद्ध नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सिफी डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। गौतमबुद्धनगर के सेक्टर 132 स्थित डाटा सेंटर के उद्घाटन व लोकार्पण समारोह में हिस्सा लेते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज के आधुनिक युग की आवश्यकता के अनुसार, युवाओं की जरूरतों और वैश्विक परिदृश्य के अनुसार, हमने अपने अनुसंधान और विकास के माध्यम से उस प्रकार की तकनीक पर नीतियां तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि हमने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एक बड़ी छलांग लगाई है जिसके सकारात्मक परिणाम आज हम सबको स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। सीएम योगी ने सिफी के डाटा सेंटर का उद्घाटन फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने तिरुपति बालाजी के चित्र का लोकार्पण करते हुए वेंकटेश्वर स्वामी की स्तुतियों का श्रवण किया तथा सिफी को शुभकामनाएं दीं।

सीएम योगी ने कहा कि देश के शीर्ष उपलब्धि वाले राज्य के रूप में, उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निवेश मित्र सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम हमारी पारदर्शी प्रक्रिया को दशार्ता है और प्रदेश में उद्योगपरक नीतियों को लागू करने का ही परिणाम आज हम सब देख रहे हैं। सीएम योगी ने डाटा सेंटर का भ्रमण करते हुए विभिन्न विभागों, कार्यप्रणालियों और संचालन प्रक्रिया के साथ ही यहां लोगों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कमांड सेंटर और सर्वर रूम का आवलोकन भी किया और डाटा सेंटर के विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी ली।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने सेक्टर-145 में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के शिलान्यास व एमएक्यू सॉफ्टवेयर के एआई इंजीनियरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने उत्तर भारत में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ व चेयरमैन सत्य नडेला व समस्त टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की यह ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी खास है। यह न केवल नोएडा बल्कि समस्त उत्तर भारत के लिए आईटी सेक्टर के नए युग की शुरूआत है। माइक्रोसॉफ्ट ने यह साबित किया है कि आज के दिन पर उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट का सबसे बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा है।

सीएम योगी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि माइक्रोसॉफ्ट का इंडिया डेवलपमेंट सेंटर उनके मुख्यालय के बाहर रिसर्च एंड डेवलपमेंट का सबसे बड़ा सेंटर बनेगा। इस केंद्र की स्थापना हो जाने पर हैदराबाद के बाद अब उत्तर प्रदेश में माइक्रोसॉफ्ट का नवीन परिसर के रूप में घर बनने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में जल्द तैनात होंगी 21 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

- सीएम योगी के निर्देश पर की जा रही भर्ती के सापेक्ष प्राप्त हुए 6.69 लाख से ज्यादा आवेदन
- आवेदकों के प्रमाण पत्रों की ऑनलाइन और भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया जारी
- मथुरा, बस्ती, मऊ, देवरिया और बिजनौर में चयन संबंधी समस्त कार्यवाही पूर्ण

आलोक पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल्द ही 21 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अपनी जिम्मेदारियां संभाल लेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में 21,547 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जा रहा है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग इस प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। भर्ती के लिए विकसित पोर्टल पर अब तक 6.69 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। ऑनलाइन सत्यापन और भौतिक सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण किए जाने की तैयारी है।

यह भर्ती राज्य के सभी 75 जनपदों में की जा रही है। मथुरा, बस्ती, मऊ, देवरिया और बिजनौर में चयन संबंधी समस्त कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है, जबकि मुरादाबाद और प्रयागराज में प्रक्रिया आंशिक रूप से पूरी हुई है।

शेष 68 जनपदों में आवेदकों के प्रमाण पत्रों का शत-प्रतिशत ऑनलाइन सत्यापन पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, 53 जनपदों में अभ्यर्थियों के अभिलेखों का भौतिक सत्यापन हो चुका है, जबकि 17 जनपदों में यह कार्य प्रगति पर है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए हैं।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवेदकों के प्रमाण पत्रों का ऑनलाइन और भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। विभाग द्वारा इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि चयनित कार्यकत्रियां जल्द से जल्द अपनी जिम्मेदारियों को संभाल सकें। आंगनवाड़ी भारत में ग्रामीण मां और बच्चों के देखभाल केंद्र है।

बच्चों के भूख और कुपोषण से निपटने के लिए एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम के भाग के रूप में, 1975 में उन्हें भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। मूल स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों में गर्भनिरोधक परामर्श और आपूर्ति, पोषण शिक्षा और अनुपूरक, साथ ही पूर्व-विद्यालय की गतिविधियां शामिल हैं।

विकसित भारत का नेतृत्व देश की महिलायें करेगी : सुशील त्रिपाठी

अजीत प्रताप सिंह

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय पर एक महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सुशील त्रिपाठी क्षेत्रीय महामंत्री काशी क्षेत्र सदर विधायक राजेंद्र मौर्य उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चित्र पर माल्यार्पण कर वंदे मातरम गीत से प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुशील त्रिपाठी में कहा भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण को महिला सशक्तिकरण के रूप में देखती है आने वाले समय में लोकसभा विधानसभा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिलापंचायत में भी महिलाएं देश की आधी आबादी का नेतृत्व करने के लिए तैयार रहे अधिक से अधिक भारतीय जनता पार्टी से जुड़े उन्होंने सरकार की ऐसी सभी योजनाओं की चर्चा की जो महिलाओं से जुड़ी है।

महिला दिवस पर मिशन शक्ति मेला और सम्मान समारोह का आयोजन

अजीत प्रताप सिंह/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्रतापगढ़ में एक भव्य और यादगार आयोजन हुआ। इस विशेष अवसर पर मिशन शक्ति मेला और नोडल सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम ने न केवल महिलाओं और बालिकाओं के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदलने का प्रयास किया, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीया प्रेमलता सिंह, जो नगर पालिका परिषद बेला, प्रतापगढ़ की अध्यक्ष हैं, ने इस आयोजन में अपनी उपस्थिति से इसे गौरवमयी बना दिया। उन्होंने अपने संबोधन में बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर विशेष जोर दिया। प्रेमलता सिंह ने कहा, आज का दिन हमारे समाज में महिलाओं और बालिकाओं की शक्ति को मान्यता देने का है। जब तक हमारी महिलाएं और लड़कियाँ सशक्त नहीं होंगी, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। हमें इन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर देने होंगे।

कार्यक्रम में विशेष सम्मान उन शिक्षकों और बच्चों को दिया गया जिन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्य और प्रदर्शन के जरिए कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की। विभिन्न विकास खंडों के अध्यापकों ने अपनी मेहनत और समर्पण से स्टाल लगाए और बालिका शिक्षा के संदर्भ में विभिन्न प्रदर्शनों में भाग लिया। उनके प्रयासों को माननीया प्रेमलता सिंह द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा, आपकी मेहनत और समर्पण से ही समाज में बदलाव संभव है। इसके अलावा, बेसिक शिक्षा विभाग के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ ने शिक्षकों और बच्चों को सम्मान पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय शिव बहादुर मौर्य ने कहा, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए हमारे विभाग द्वारा हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम हमारे समर्पण और काम के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दिखाता है। हमें उम्मीद है कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में जागरूकता और बदलाव आएगा। वहीं, खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार त्रिपाठी ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम सभी मिलकर बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर लड़की को शिक्षा का समान अवसर मिले।

समारोह के अंत में यह संदेश दिया गया कि हम सभी को मिलकर समाज में महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें शिक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बाबा के दरबार से कान्हा और कान्हा के दरबार से बाबा को भेजा गया उपहार

दिव्य भारत संवाददाता

वाराणसी/लखनऊ। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा के साथ नवीन सनातन नवाचार प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत होली पर्व के अवसर पर रंगभरी एकादशी से पहले श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान विश्वनाथ द्वारा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा में विराजमान लड्डू गोपाल को उपहार तथा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा से भगवान लड्डू गोपाल द्वारा श्री काशी विश्वनाथ जी को भी समारोहपूर्वक भेंट प्रेषित की गई है। श्री काशी विश्वनाथ महादेव की प्रेरणा से उत्पन्न हुए इस नवाचार के क्रियान्वयन हेतु मंदिर न्यास के अधिकारियों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के अधिकारियों से बातचीत की, जिसका वहां के अधिकारियों ने भी स्वागत किया।

श्री अन्न को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विवि में पैनल चर्चा

दिव्य भारत संवाददाता

झांसी। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में शुष्क भूमि खाद्य प्रणालियों में श्री अन्न को बढ़ावा देने की रणनीति विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक उच्च स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में भारत के विभिन्न शीर्ष संस्थानों और संगठनों के विशेषज्ञों ने भाग लिया और श्री अन्न (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने की सम्भावनाओं एवं प्रभावी रणनीतियों पर गहन विचार-विमर्श किया। कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह ने श्री अन्न के व्यापक स्वास्थ्य लाभों और प्राकृतिक संसाधनों, विशेष रूप से जल, के कुशल उपयोग में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्री अन्न सिर्फ एक फसल नहीं, बल्कि पोषण, सतत कृषि और जलवायु अनुकूलता का प्रतीक है। इस महत्वपूर्ण सत्र का संचालन निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार ने किया। पैनल में देश के विभिन्न संस्थानों से आए दिग्गज विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस चर्चा में देशभर से कई वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, खाद्य प्रौद्योगिकीविद् और पोषण विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

ग्रामीण महिला विशेष पर तकनीकी सत्र झ जल सहेलियों का सम्मान

दिव्य भारत संवाददाता

झाँसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में 5 से 7 मार्च, 2025 के मध्य शुष्क क्षेत्रों में सतत खाद्य प्रणालियों के लिए विस्तार रणनीतियाँ विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसी क्रम में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (कछरफ) के तत्वाधान में शुष्क खाद्य प्रणालियों में ग्रामीण महिलाओं और युवाओं की गतिशीलता विषय पर एक विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में महिलाओं और युवाओं द्वारा शुष्क कृषि प्रणालियों में किए जा रहे नवाचारों और उनकी स्थिरता में योगदान पर गहन चर्चा हुई। सत्र की अध्यक्षता भारत सरकार योजना आयोग के पूर्व सलाहकार (कृषि) डॉ. वी.वी. सदामते ने की, और सह-अध्यक्षता रङवअरळ जम्मू के पूर्व शिक्षा निदेशक डॉ. राकेश नंदा ने की।

महिलाओं के उत्थान में योगी सरकार की योजनाएं बनी ढाल

- यूपी की महिलाओं को सुरक्षित माहौल में मिल रहा रोजगार
- यूपी में विकास और रोजगार की तरफ बढ़ रहे महिलाओं के कदम
- योगी सरकार की योजनाओं से महिलाओं-बेटियों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 4 लाख से अधिक गरीब कन्याओं की हुई शादी

आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत

लखनऊ। पिछले आठ सालों में यूपी की महिलाओं और बेटियों की तस्वीर उत्तर प्रदेश के मानचित्र पर उभर कर सामने आई है। आधी आबादी के कदमों को तेजी से विकास पथ पर बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार की योजनाएं कारगर साबित हुई हैं। यूपी में महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई योजनाओं के जरिए उनका उत्थान सुनिश्चित हुआ है। तेजी से घटते महिला अपराधों के आंकड़े, महिलाओं के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ सरकार की स्वर्णिम योजनाओं से महिलाओं-बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की बयार आई है। प्रदेश सरकार की स्वर्णिम योजनाएं महिलाओं और बेटियों के लिए ढाल बनी हैं। सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के संकल्प को प्रदेश सरकार ने पूरा करने का काम किया है। एक ओर जहां मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बीसी सखी योजना, बिजली सखी योजना समेत अन्य योजना महिलाओं के लिए ढाल बनी हैं वहीं एंटी रोमियो स्क्वॉड, पिंक बूथ, वन स्टॉप सेंटर से महिलाओं को सुरक्षा कवच मिला है। प्रदेश में समान लिंगानुपात स्थापित करने व बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से अब तक कुल 23 लाख 24 हजार बेटियों को लाभान्वित किया जा चुका है। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (केविड) में लगभग 19 हजार तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) में करीब 65 हजार पात्रों को लाभ मिल रहा है। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में 2 लाख से अधिक महिलाएं पीएम स्वनिधि योजना से लाभांवित हैं। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत करीब 9 लाख समूहों, करीब 58 हजार ग्राम संगठनों एवं 3 हजार से अधिक संकुल स्तरीय संघों का गठन करते हुए ग्रामीण क्षेत्र की 95 लाख से अधिक महिलाओं को इससे जोड़ा गया है। प्रदेश में एक लाख से अधिक महिलाओं को सरकारी नौकरी देने के साथ ही प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूहों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 2500 से अधिक उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन किया गया है। वहीं प्रदेश में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से 60 लाख से अधिक माताएं लाभांवित हैं। प्रदेश में करीब 40 हजार बीसी सखी कार्य करते हुए 31 हजार करोड़ से अधिक का लेनदेन किया है। इसके माध्यम से बीसी सखियों ने 85 करोड़ रुपये अर्जित कर लाभांश प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार से पीड़ित महिलाओं को सहायता देने के उद्देश्य से शुरू किए गए वन स्टाप सेंटर के माध्यम से 2 लाख से अधिक पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को सहायता दी जा चुकी है, जिससे उनके जीवन में नया सवेरा आया है और वो नए सिरे से समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपने जीवन की शुरूआत की हैं। 181- महिला हेल्पलाइन योजना के अंतर्गत 7 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता दी जा चुकी है। यही नहीं प्रदेश के 189 निकायों में महिलाओं के लिए 1100 पिंक शौचालयों का निर्माण कर योगी सरकार ने महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर किया है। पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिलाओं के जीवन-यापन में समर्थन देने के लिए के उद्देश्य से प्रतिमाह 1000 रुपये पेंशन के माध्यम से उन्हें संबल पहुंचाया जा रहा है। प्रदेश में 34.14 लाख निराश्रित महिलाओं को इस योजना से लाभांवित किया जा रहा है। यही नहीं निराश्रित व हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए योगी सरकार द्वारा संचालित आश्रम गृह उन्हें स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ा रही है। इसके अलावा मिशन शक्ति अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। उनके संरक्षण और स्वावलंबन के लिए बाल विवाह, यौन शोषण, घरेलू हिंसा, दहेज तथा लैंगिक समानता जैसे विभिन्न विषयों पर योगी सरकार द्वारा घर घर जाकर जागरूकता अभियान चालाया जा रहा है। सीएम योगी की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर तबके, खासकर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। 2017 में शुरू हुई यह योजना आज न केवल इन वर्गों की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है, बल्कि सामाजिक समरसता और समावेशिता को भी मजबूत कर रही है।